धनबाद, गुरूवार

11 जून 2026

वर्ष : 03 अंक : 251

पृष्ठ : 08

मूल्य: 3 /-

E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली रवाना, नीति आयोग की बैठक में होंगे शामिल

रांची, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 11 जून को नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल (शासी परिषद) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में हिस्सा लेने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। बैठक में राज्य का मजबूती से पक्ष रखने के लिए झारखंड सरकार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

नीति आयोग की सीईओ निधि छिब्बर ने इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार को पत्र लिखकर बैठक के एजेंडे की जानकारी दी है। इस बार की बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत के लिए मानव पूंजी रखा गया है। इसके अलावा दिसंबर 2025 में आयोजित हुए मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में जिन प्राथमिकताओं और सिफारिशों को तय किया गया था, उनपर भी इस बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस बैठक के लिए विशेष आमंत्रण भेजा गया है। मुख्यमंत्री के साथ-साथ राज्य के कई शीर्ष अधिकारी भी इस बैठक में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य सरकार ने अधिकारियों के नाम तय कर नीति आयोग को भेज दिए हैं।

झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी

रांची, (एजेंसी) : झारखंड राज्य सरकार ने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी है। मुख्य सचिव अविनाश कुमार के हस्ताक्षर के साथ नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी की गयी है। वे फिलहाल कार्मिक विभाग के भी अतिरिक्त प्रभार में हैं।

सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 15(3) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार लोगों को सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है।

इनको नियुक्त किया गया

अनुज कुमार सिन्हा, पिता सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, फ्लैट नंबर 02ए, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रांची

तनुज खत्री, पिता- देवराज खत्री, इंद्रपुरी रोड नंबर-9, रांची

अमुल्य नीरज खलखो, पिता- स्वर्गीय जफरीन खलखो, पुनाना लोवाडीह, रांची

शिवपूजन पाठक, पिता-स्वर्गीय नरसिंह पाठक, नयी बस्ती, पिंजड़ापोल, अपर बाजार।

राज्यसभा चुनाव : परिमल नाथवानी का नामांकन मंजूर, कांग्रेस का दावा खारिज

रांची, (एजेंसी) : राज्यसभा चुनाव के लिए समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार समाप्त हो गया है। दो दिनों तक चली जांच और आपत्तियों के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन स्वीकार कर लिया है।

दरअसल, नामांकन दाखिल करने के बाद उनका पर्चा होल्ड पर रख दिया गया था। नाम को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी कुछ दस्तावेजों में उनका नाम परिमल नाथवानी, जबकि कुछ में नाथवानी परिमल दर्ज था।

इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोंगाडी ने आपत्ति दर्ज कराई थी। आपत्ति के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन पर फैसला रोकते हुए मामले की जांच शुरू की थी।

दो दिनों तक चले विवाद और दस्तावेजों की समीक्षा के बाद चुनाव अधिकारियों ने परिमल नाथवानी का नामांकन वैध मानते हुए उसे मंजूरी दे दी।

इससे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में उनके उम्मीदवार बने रहने का रास्ता साफ हो गया है।

पीएम के तौर पर सबसे लंबी पारी: एनडीए ने पीएम मोदी का किया सम्मान

भारत मंडपम में विशेष बैठक, 4,399 दिन पूरे कर नेहरू के रिकॉर्ड से आगे निकले

नई दिल्ली,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुधवार को उनके कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे होने पर एनडीए ने विशेष बैठक कर पीएम मोदी का सम्मान किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है प्रधानमंत्री मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद वर्ष 2019 और 2024 में लगातार तीसरी बार सत्ता संभालते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एक विशेष बैठक आयोजित कर प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया। इस विशेष बैठक में भाजपा और एनडीए शासित 22 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा गठबंधन के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान एनडीए नेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। बैठक के बाद एक अनौपचारिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए नेताओं ने पश्चिम बंगाल का लोकप्रिय व्यंजन झालमुड़ी खाते हुए खुशी जाहिर की। पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने हाथों से झालमुड़ी परोसकर खिलाई। इस दौरान नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने झाड़ग्राम में एक स्थानीय दुकान पर झालमुड़ी खाई थी। उस दौरान दुकान संचालक के साथ उनकी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चित हुआ था। एनडीए नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में विकास, बुनियादी ढांचे, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। बैठक में आगामी राजनीतिक और विकासात्मक एजेंडे पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री की इस उपलब्धि को भाजपा और एनडीए ने ऐतिहासिक बताया है, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

पूर्व जज को धमकी पर सीजेआई सख्त, सुरक्षा सुनिश्चित करें

दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े फैसले के बाद मिल रही धमकियों का मामला

लंदन में रह रही बेटी को भी बनाया जा रहा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी) : बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस गौतम पटेल को उनके एक न्यायिक फैसले के संबंध में मिल रही धमकियों के मामले ने अब गंभीर रूप ले लिया है। इस मुद्दे पर देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने संज्ञान लेते हुए जस्टिस पटेल और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। बताया गया है कि सीजेआई ने अपने आधिकारिक ब्रिटेन दौरे के दौरान लंदन स्थित भारतीय उच्चायुक्त के समक्ष यह मामला उठाया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मामला सामने आते ही सीजेआई सूर्यकांत ने लंदन में भारत के उच्चायुक्त पी. कुमारन से संपर्क किया। भारतीय उच्चायोग ने जस्टिस पटेल और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया

है। साथ ही लंदन पुलिस द्वारा भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की जानकारी दी गई है। सीजेआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को भी इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भी जस्टिस पटेल को दी जा रही धमकियों की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और कानून के शासन पर सीधा हमला करार दिया। एसोसिएशन ने कहा कि किसी न्यायाधीश पर दबाव बनाकर या धमकाकर न्यायिक निर्णय बदलवाने की कोशिश लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। उसने भारत और ब्रिटेन की जांच एजेंसियों से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।गौरतलब है कि जस्टिस गौतम पटेल ने हाल ही में खुलासा किया था कि उन्हें वर्ष 2024 में दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े एक ऐतिहासिक फैसले के कारण धमकी भरे संदेश और पत्र मिल रहे हैं। उन्होंने अपने फैसले में सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को दाऊदी बोहरा समुदाय का 53वां आध्यात्मिक गुरु घोषित किया था। इस फैसले के खिलाफ अपील भी लंबित है। पूर्व जज के अनुसार, धमकी देने वाले लोग उनसे सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार करने का दबाव बना रहे हैं कि उनका फैसला गलत था।

ममता को एक और झटका: ममता की सयानी भी हुई बागी

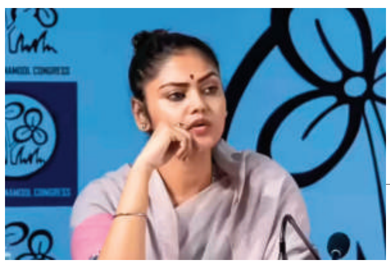

20 बागी सांसदों में उनका नाम शामिल

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। तृणमूल कांग्रेस में बढ़ता बिखराव उनकी चिंता का कारण बन गया है। हाल ही में, 20 टीएमसी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर संसद में अलग बैठने की मांग की है, और इस सूची में अभिनेत्री से नेता बनी सयानी घोष का नाम भी शामिल है। सियानी के इस बदले तेवर को ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सयानी घोष की कुल संपत्ति 90 लाख रुपये से अधिक है।

सयानी ने मात्र 17 साल की उम्र में साल 2010 में टेलीफिल्म इच्छे दाना से बंगाली सिनेमा में कदम रखा था। जल्द ही उन्होंने एक अभिनेत्री और गायिका के रूप में अपनी पहचान बनाई। 12वीं तक शिक्षित सयानी 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुई थीं। इसी साल उन्हें आसनसोल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ाया गया, हालांकि उन्हें हार मिली। उनकी राजनीतिक यात्रा ने 2023 में तब नया मोड़ लिया, जब वे टीएमसी यूथ विंग की अध्यक्ष बनीं और 2024 के लोकसभा चुनाव में जाधवपुर सीट से जीत कर सांसद बनीं। चुनाव आयोग को दिए गए उनके हलफनामे के अनुसार, सयानी की कुल संपत्ति 91.89 लाख रुपये है, जबकि उन पर करीब 59 लाख का कर्ज भी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान घोषित जानकारी के मुताबिक, उनके पास 35,000 रुपये नकद थे, वहीं विभिन्न बैंक खातों जैस एचडीएफसी बैंक, यूको बैंक और रिकरिंग डिपॉजिट में 10.25 लाख रुपये जमा थे। उन्होंने शेयर बाजार या पोस्टल सेविंग में कोई निवेश नहीं किया है।

सयानी के पास कुल 11.03 लाख रुपये मूल्य की चार जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जिनमें से दो एलआईसी और दो एचडीएफसी लाइफ की हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 8 ग्राम सोना भी है।

कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए को दी मंजूरी, एयरपोर्ट तक पहुंचेगी मेट्रो

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए (कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट कॉरिडोर) को मंजूरी दे दी है। 6.032 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में पांच स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें चार एलिवेटेड और एक भूमिगत स्टेशन शामिल होगा। परियोजना की कुल लागत 2,169.04 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोटेश्वर रोड-एयरपोर्ट कॉरिडोर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि छह किलोमीटर लंबे इस मार्ग में पांच स्टेशन होंगे और इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एयरपोर्ट को सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव से जोड़ेगा, जिसे राष्ट्रमंडल खेलों के मद्देनजर विकसित किया जा रहा है। परियोजना को चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फेज-2ए के तहत बनने वाले स्टेशनों में आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती नदी, सरदार नगर और एयरपोर्ट स्टेशन शामिल हैं। इस चरण के पूरा होने के बाद अहमदाबाद-गांधीनगर में सक्रिय मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 77.63 किलोमीटर हो जाएगी।

सरकार के अनुसार यह परियोजना एयरपोर्ट, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा से जोड़ेगी तथा मौजूदा अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क के साथ निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करेगी। इससे शहरी आवागमन आसान होगा, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा वर्ल्ड

पुलिस गेम्स 2029 और कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए आसपास स्पोर्ट्स सुविधाएं भी विकसित किए जाने की संभावना है।

सरकार के मुताबिक परियोजना से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, निवेश आकर्षित होगा और कम विकसित क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक वर्गों के लोगों को सार्वजनिक परिवहन की समान सुविधा उपलब्ध होने से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

अहमदाबाद मेट्रो फेज-2अ से निर्माण कार्य के सबसे व्यस्त समय में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है, जबकि परिचालन और रखरखाव के दौरान करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

पीओके में बवाल के बीच सेनाध्यक्ष द्विवेदी पहुंचे उत्तरी कमान

भारत की सामरिक चेतावनी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में खराब हुए हालात, पाकिस्तानी फौज की बर्बर कार्रवाई और सुलगते जनाक्रोश के बीच भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का उत्तरी कमान मुख्यालय पहुंचना महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत बताया जा रहा है। यह दौरा तब हुआ है, जब पीओके में लोगों पर गोलियां चल रही हैं, जबकि भारतीय सेना अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने उधमपुर में मौजूद उत्तरी कमान मुख्यालय में अभियानगत तैयारियों, क्षमता विकास और आधुनिकीकरण अभियानों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष और डिजिटल माध्यम से चर्चा कर बहुआयामी सैन्य अभियानों,नई तकनीकों के इस्तेमाल और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य की चुनौतियां पारंपरिक नहीं होंगी, इसलिए भारतीय सेना को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और लचीला बनाना जरुरी है। उन्होंने नवाचार और आधुनिक युद्ध प्रणाली अपनाने पर विशेष जोर दिया।

भारतीय सेना की सक्रियता तब सामने आई है जब पीओके में स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। खुफिया दस्तावेजों के अनुसार, 5 से 9 जून के बीच पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों के खिलाफ सुनियोजित हिंसा की। बारमंग पुल गोलीकांड के बाद, आर्थिक सुधारों की मांग कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) को आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित किया गया। जेएएसी नेता शहजैब हबीब की हत्या ने लोगों के गुस्से को और भड़का दिया। आधिकारिक तौर पर 11 मौतें बताई जा रही हैं, जबकि खुफिया रिपोर्टों में 19 बच्चों और सात गर्भवती महिलाओं सहित अधिक मौतों का दावा किया गया है। आरोप है कि पाकिस्तान ने मुख्य भूमि से लगभग चौदह हजार अतिरिक्त सैनिक पीओके में उतारे हैं।

सबसे गंभीर आरोप यह है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने निहत्थे शोक जुलूसों और आम नागरिकों के काफिलों पर सीधे गोलियां चलाईं। पूरे इलाके में संचार सेवाएं, इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क ठप किए गए, जिससे पूर्ण बंद का माहौल बन गया।

मीरपुर डिवीजन, खासकर भीमबर और कोटली, में सबसे ज्यादा तनाव देखा गया, जहां से लोग मुजफ्फराबाद मार्च के लिए निकले थे।

कांग्रेस नेतृत्व से मिले कर्नाटक और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, संगठन और विकास से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली,(एजेंसी) : कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को यहां में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। शिवकुमार की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली है, वहीं जोसेफ विजय नीति आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली दौरे पर हैं।कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 10 जनपथ पहुंचकर कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। शिवकुमार ने तीन जून को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।मुलाकात के बाद शिवकुमार ने कांग्रेस मुख्यालय, भारतीय युवा कांग्रेस और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यालयों का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा एनएसयूआई और युवा कांग्रेस से

शुरू हुई थी और ये संस्थाएं उनके लिए मंदिर के समान हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की। वह तीन दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं और नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेने आए हैं। इस दौरान उन्होंने उपराष्ट्रपति से भी भेंट की।

नीति आयोग की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक विकास से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

उद्योग ही पश्चिम बंगाल का भविष्य, टाटा समूह को वापस लाना प्राथमिकता : तापस राय

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद मंत्री तापस राय ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राज्य में निवेश बढ़ाने और उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार बड़े कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रमुख लक्ष्य टाटा समूह सहित उन बड़े उद्योग घरानों को वापस लाना है, जिन्होंने पूर्व में पश्चिम बंगाल से दूरी बना ली थी।एक साक्षात्कार में तापस राय ने कहा कि उद्योग ही पश्चिम बंगाल के भविष्य की कुंजी है। राज्य के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को साथ लेकर आगे बढ़ना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, जिसे स्वीकार करते हुए काम किया जाएगा।तापस राय ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की औद्योगिक नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों में राज्य

में उद्योगों की उपेक्षा हुई। उन्होंने कहा कि केवल दिखावटी विकास कार्य किए गए, जबकि उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार नहीं किया गया। उनके अनुसार, राज्य में कथित तौर पर बढ़ी तानाशाही, तुष्टिकरण और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों के कारण अनेक उद्योगपति और निवेशक पश्चिम बंगाल छोड़कर अन्य राज्यों में चले गए।

उद्योग मंत्री ने दावा किया कि तृणमूल के शासनकाल में 6688 छोटे, मध्यम और बड़े उद्योग राज्य से बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार उद्योग जगत को भरोसा दिलाना चाहती है कि अब निवेशकों को किसी प्रकार की अवैध वसूली या प्रशासनिक बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।तापस राय ने कहा कि जो उद्योगपति राज्य छोड़कर चले गए हैं, उन्हें वापस लाना होगा। टाटा समूह को फिर से पश्चिम बंगाल में निवेश के लिए आमंत्रित करना होगा। इसके साथ ही अडानी और अंबानी जैसे बड़े औद्योगिक समूहों को भी राज्य में निवेश के लिए आकर्षित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

उधर, राज्य भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य भी सरकार बनने के बाद लगातार विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में उद्योगपतियों से पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने की अपील की गई है। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि नई सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा और उद्योगों के लिए सुरक्षित तथा अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा। व्यापारिक संगठनों ने भी राज्य सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे हैं। इनमें उद्योगों के लिए भूमि बैंक का निर्माण, उपलब्ध भूमि की जीपीएस टैगिंग, औद्योगिक क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे का विकास, आधुनिक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स नीति, परियोजनाओं के लिए एकल खिड़की मंजूरी व्यवस्था तथा रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत करने की मांग शामिल है। अब उद्योग जगत की नजर 22 जून को पेश होने वाले राज्य बजट पर टिकी है। माना जा रहा है कि नई सरकार अपने पहले बजट में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचा विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकती है।

परिमल नाथवाणी का नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस का विधानसभा के बाहर धरना-प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भाजपा समर्थित निर्दलीय राज्यसभा उम्मीदवार परिमल नाथवाणी का नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने झारखंड विधानसभा के गेट संख्या-2 के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि परिमल नाथवाणी के नामांकन पत्र में कई गंभीर त्रुटियां हैं, जिसके संबंध में पार्टी की ओर से निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई गई है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि यदि परिमल नाथवाणी का नामांकन रद्द नहीं किया जाता है तो कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतरकर व्यापक जनांदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है।इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सैयद नासिर हुसैन भी विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का रवैया लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। झारखंड और मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के नामांकन मामलों में अलग-अलग मानदंड अपनाकर आयोग ने पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया है।

डॉ. नासिर हुसैन ने कहा कि झारखंड में भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवाणी को नामांकन पत्रों की त्रुटियां निर्धारित समय-सीमा के बाद भी सुधारने की अनुमति दी गई, जबकि मध्य प्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को कानूनी रूप से असंगत आधारों पर निरस्त कर दिया गया। यह लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के विपरीत है।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का यह दोहरा रवैया उसकी विश्वसनीयता को कमजोर करता है और यह संदेश देता है कि भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के लिए अलग नियम तथा विपक्षी उम्मीदवारों के लिए अलग नियम लागू किए जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष

जारी रखेगी।डॉ. नासिर हुसैन ने मांग की कि मध्य प्रदेश में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तत्काल बहाल किया जाए तथा झारखंड में परिमल नाथवाणी के नामांकन की समीक्षा कर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि चुनावी नियमों का सभी उम्मीदवारों पर समान रूप से अनुप्रयोग होना चाहिए और निर्वाचन आयोग को दोनों राज्यों में अपनाए गए अलग-अलग मानदंडों पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए।मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में बिना किसी ठोस कारण के कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया, जबकि झारखंड में परिमल नाथवाणी के खिलाफ आपत्ति दर्ज होने के बावजूद उनके नामांकन को रद्द करने के बजाय लंबित रखा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी न्याय और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रही है।कांग्रेस विधायक एवं विधानसभा में उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि भाजपा की हॉर्स ट्रेडिंग की राजनीति से मुकाबला करना अलग बात है, लेकिन यहां मुद्दा लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा का है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिमल नाथवाणी ने अपने नामांकन पत्र में कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाने का प्रयास किया है।धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा परिसर के पोर्टिको में भी धरना दिया और निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।धरना-प्रदर्शन में मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, सुबोध कांत सहाय, आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. तौसीफ, राजीव रंजन प्रसाद, विनय सिन्हा दीपू, प्रदीप तुलस्यान, अभिलाष साहू, सतीश पाल मुंजनी, सुरेंद्र सिंह, शशि भूषण राय, सुधीर सिंह, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, कुमार राजा, रमा खलखो, रियाज अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मिल्की गांव में जलजमाव से ग्रामीण परेशान, शिकायत पर पहुंचे बीडीओ व थाना प्रभारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : महागामा प्रखंड क्षेत्र के मिल्की गांव में जलजमाव की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात का पानी जमा हो गया है, जिससे आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव के कारण लोगों के घरों के आसपास गंदा पानी जमा है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।ग्रामीणों की शिकायत पर महागामा प्रखंड विकास पदाधिकारी सोना राम हांसदा एवं हनवारा थाना प्रभारी ध्रुव कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागीय कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नाला निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नाला निर्माण होते ही जमा पानी की निकासी सुनिश्चित कर दी जाएगी, जिससे ग्रामीणों को राहत मिलेगी।थाना प्रभारी ध्रुव कुमार सिंह ने भी ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी।

झुंड से बिछड़े जंगली हाथी का उत्पात, फसल रौंदी और राशन दुकान का दरवाजा तोड़ा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला के चांडिल प्रखंड अंतर्गत लेंगडीह एवं झाबरी गांव में झुंड से बिछड़े एक जंगली हाथी ने मंगलवार देर रात जमकर उत्पात मचाया। हाथी के गांव में पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।हाथी ने कई किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ एक राशन दुकान का दरवाजा तोड़कर उसमें रखे अनाज को भी खा लिया।जानकारी के अनुसार हाथी सबसे पहले लेंगडीह गांव पहुंचा, जहां उसने विरेन महापात्र के खेत में लगी सब्जी की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया।इसके बाद वह झाबरी गांव की ओर बढ़ गया। झाबरी में हाथी ने चंद्रिका प्रसाद सिंह की राशन दुकान का दरवाजा तोड़ दिया और दुकान में रखे अनाज को निवाला बना लिया। इसके अलावा बेनाम माछुआ के केले के पौधों तथा अरुण महतो के कटहल के पेड़ को भी नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि उत्पात मचाने के बाद हाथी झाबरी गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पार कर झाबरी जंगल में घुस गया और वहीं डेरा जमाए हुए है।हाथी की मौजूदगी से आसपास के गांवों के लोग भयभीत हैं तथा शाम ढलते ही घरों में रहने को मजबूर हैं।बताया जाता है कि यह हाथी अपने झुंड से बिछड़ गया है और पिछले कई दिनों से ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में विचरण कर रहा था।मंगलवार देर रात वह काटघोरा और चिरुगोड़ा गांव पहुंचा था।इस दौरान काटघोरा गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का दरवाजा तोड़कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।वहां से निकलकर हाथी चौका थाना क्षेत्र के लेंगडीह और झाबरी गांव पहुंच गया।वन विभाग की टीम हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।विभाग द्वारा ग्रामीणों से सतर्क रहने तथा हाथी के नजदीक नहीं जाने की अपील की गई है।वहीं प्रभावित ग्रामीणों ने फसलों एवं अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है।

किशोरगंज चौक के पास मुख्यमंत्री का काफिला रोकने के केस में भैरव सिंह बरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : वर्ष 2021 में किशोरगंज चौक में सीएम के काफिले को रोकने का प्रयास करने और प्रदर्शन करने से जुड़े केस में रांची सिविल कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है।बुधवार को कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए भैरव सिंह समेत अन्य आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।इस मामले का ट्रायल रांची सिविल कोर्ट के अपर प्रधान न्यायायुक्त की अदालत में चला।घटना को लेकर वर्ष 2021 में सुखदेवनगर थाना में पदस्थापित एएसआई सदानंद कुमार के बयान पर 72 नामजद समेत 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था।चार जनवरी को सीएम हेमंत सोरेन का काफिला झारखंड मंत्रालय से लौट रहा था। इसी दौरान किशोरगंज चौक के पास उपद्रवियों के झुंड ने सुनियोजित साजिश के तहत काफिले को निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि रांची पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सीएम के काफिले को रूट डायवर्ट कर दिया था।इस संबंध में सुखदेवनगर थाना में कांड संख्या 5/2021 दर्ज की गई थी। सिविल कोर्ट से बरी किये जाने से भैरव सिंह को बड़ी राहत मिली है।इस केस के बाद भैरव सिंह को जेल भी जाना पड़ा था।

परिमल नाथवानी के नामांकन पर आपत्ति को लेकर रांची पहुंचे सलमान खुर्शीद, निर्धारित समय से पहले पहुंचने के बावजूद बहस में नहीं हो सके शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : निर्दलीय राज्यसभा उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में कथित त्रुटियों को लेकर आपत्ति पर बहस में भाग लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद बुधवार को विशेष विमान से रांची पहुंचे। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दोपहर 1 बजे तक बहस के लिए समय निर्धारित किए जाने के बावजूद समय से पहले ही कक्ष का दरवाजा बंद कर दिया गया, जिसके कारण वे अपनी बात नहीं रख सके।झारखंड विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए सलमान खुर्शीद ने कहा कि उन्हें इस बात का खेद है कि वे बहस में शामिल नहीं हो पाए। उन्होंने कहा, निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा 1 बजे तक का समय निर्धारित किया गया था। मैं लगभग 12:30 बजे विधानसभा पहुंच गया था, लेकिन उससे पहले ही दरवाजा बंद कर दिया गया था। इसलिए मुझे अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिल सका।उन्होंने कहा कि मामले की कानूनी बारीकियों पर उनके सहयोगी अधिवक्ता सुरेंद्र पाल सिंह विस्तार से जानकारी देंगे, जो शुरू से इस पूरे मामले को देख रहे हैं।इस दौरान अधिवक्ता सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए कुल तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। गठबंधन के दोनों उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को स्वीकार कर लिया गया, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में कई त्रुटियां और विसंगतियां थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि नाथवानी द्वारा दाखिल शपथ पत्र (एफिडेविट) में सभी आवश्यक और सही जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई गई थीं, जिसके कारण प्रारंभिक स्तर पर उनके नामांकन पर सवाल उठे थे।सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से नामांकन में पाई गई कमियों और तथ्यों को निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष रखा गया था। इसके बावजूद बाद में परिमल नाथवानी के नामांकन को स्वीकार कर लिया गया, जो निर्वाचन प्रक्रिया और स्थापित नियमों की भावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि नामांकन से संबंधित कई गंभीर बिंदुओं पर पार्टी की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई है और पूरे मामले की कानूनी समीक्षा की जा रही है।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में सभी उम्मीदवारों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और यदि किसी उम्मीदवार को नियमों से परे जाकर राहत दी जाती है तो इससे चुनाव की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

ईचागढ़ प्रखंड कार्यालय का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, जनसेवा व योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह ने बुधवार को ईचागढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति, अभिलेखों के संधारण तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों कर्मचारियों को जनहित में बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने निर्वाचन, समाज कल्याण, कृषि, पशुपालन तथा जेएसएलपीएस समेत विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने तथा सौंपे गए दायित्वों का पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यालय आने वाले लोगों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। इसके लिए कर्मियों को सहयोगात्मक और संवेदनशील व्यवहार अपनाने की सलाह दी गई।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सरकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए

कहा कि प्रत्येक पात्र लाभुक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी योग्य व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। साथ ही जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त ने सर्वेक्षण एवं जनगणना कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित कर्मियों को पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यालयों में अभिलेखों और पंजीयों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, नियमित अद्यतन एवं अनुश्रवण पर विशेष ध्यान देने की बात कही।इस दौरान उपायुक्त ने प्रखंड परिसर में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य तकनीकी मानकों एवं स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप होना चाहिए तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय परिसर और शौचालयों की साफ-सफाई एवं रखरखाव पर भी विशेष जोर दिया।उन्होंने कहा कि आम जनता को स्वच्छ और बेहतर वातावरण में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।वही उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए नियमित क्षेत्र भ्रमण, योजनाओं की जमीनी समीक्षा और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।इस अवसर पर एसडीओ नितिन शिवम गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा, अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद आदि उपस्थित थे।

झारखंड राज्यसभा चुनावः परिमल नाथवानी का नामांकन मंजूर, कांग्रेस की आपत्तियां खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रहा सियासी विवाद फिलहाल थमता नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी का नामांकन पत्र आधिकारिक रूप से मंजूर कर लिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत प्रसाद ने जांच और समीक्षा के बाद उनके नामांकन को वैध घोषित कर दिया।दरअसल, एक दिन पहले परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र पर कुछ तकनीकी आपत्तियां सामने आने के बाद निर्वाचन अधिकारियों ने उनके नामांकन को होल्ड पर रख दिया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि नामांकन दस्तावेजों में कई विसंगतियां हैं, जिनमें नाम की वर्तनी में अंतर, कुछ कॉलम खाली छोड़े जाने तथा आपराधिक मामलों और पारिवारिक विवरण से जुड़ी जानकारी अधूरी होने जैसी बातें शामिल थीं।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराते हुए नामांकन रद्द करने की मांग की थी। कांग्रेस का कहना था कि नामांकन पत्र में गंभीर त्रुटियां हैं और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि जांच के बाद निर्वाचन अधिकारियों ने इन आपत्तियों को नामांकन निरस्त करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं माना।

राज्यसभा चुनावः परिमल नाथवानी का नामांकन मंजूर, कांग्रेस का दावा खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्यसभा चुनाव के लिए समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार समाप्त हो गया है। दो दिनों तक चली जांच और आपत्तियों के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन स्वीकार कर लिया है।दरअसल, नामांकन दाखिल करने के बाद उनका पर्चा होल्ड पर रख दिया गया था।नाम को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। कुछ दस्तावेजों में उनका नाम परिमल नाथवानी जबकि कुछ में नाथवानी परिमल दर्ज था।इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोंगाडी ने आपत्ति दर्ज कराई थी।आपत्ति के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन पर फैसला रोकते हुए मामले की जांच शुरू की थी।दो दिनों तक चले विवाद और दस्तावेजों की समीक्षा के बाद चुनाव अधिकारियों ने परिमल नाथवानी का नामांकन वैध मानते हुए उसे मंजूरी दे दी।इससे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में उनके उम्मीदवार बने रहने का रास्ता साफ हो गया है।

मनरेगा योजना के फाइनल बिल के लिए रिश्वत लेते कनीय अभियंता गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : देवघर जिले के करो प्रखंड में मनरेगा योजना के फाइनल बिल भुगतान के एवज में रिश्वत मांगने के आरोप में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) दुमका की टीम ने एक कनीय अभियंता को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।एसीबी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, देवघर जिले के करो थाना क्षेत्र के डिडकोली गांव निवासी भीम कुमार राणा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी जमीन पर मनरेगा के तहत ट्रेंच सह बांध निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। योजना संख्या 07/2024-25 की कुल लागत 45,379 रुपये थी, जिसमें 41,444 रुपये का भुगतान पहले ही हो चुका था। आरोप है कि योजना का फाइनल बिल निकालने के लिए कनीय अभियंता संतोष प्रसाद ने 7,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी।शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने का आरोप सही पाए जाने पर कनीय अभियंता संतोष प्रसाद के खिलाफ एसीबी थाना कांड संख्या 05/26, दिनांक 09 जून 2026 को दर्ज कर ट्रैप टीम का गठन किया गया।

लातेहार में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता रथ को रवाना किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिला समाहरणालय परिसर में बुधवार को मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान को लेकर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता रथ को उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगी। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और उसके भविष्य को भी नष्ट कर देता है।नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं। उक्त कार्यक्रम जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के सहयोग से चलाया जाना हैं।जिसमें ग्राम चौपाल, नुक्कड नाटक, चित्रांकन, कविता लेखन व क्विज प्रतियोगिता शामिल है। उपायुक्त श्री कुमार ने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि सरकार के इस अभियान में आप सभी सहभागी बनें।नशा ऐसी बुराई है जो केवल व्यक्ति को शारीरिक मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला करती है, बल्कि यह परिवार और समाज को भी खोखला बनाती है। इसलिए हम सभी की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि इसे समाज से बाहर निकालें।नशा से छुटकारे के लिए टोल फ्री नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

कोडरमा में आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन, जिले भर से आए किसानों ने आम की फसल की प्रदर्शनी लगाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बुधवार को कोडरमा प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी उत्कर्ष गुप्ता, डीडीसी रवि जैन, प्रखंड प्रमुख सुषमा देवी व जेएसएलपीएस की दीदियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इसके बाद फीता काटकर आम उत्सव का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन के बाद डीसी ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और किसानों एवं उत्पादक समूहों द्वारा प्रदर्शित आम की विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया।उन्होंने किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले फल उत्पादन, आधुनिक बागवानी तकनीकों के उपयोग तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।अपने संबोधन में डीसी श्री गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।आम उत्सव का मुख्य उद्देश्य किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ना तथा उनके उत्पादों का उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर किए जा रहे मार्केट लिंकेज के प्रयासों से किसानों

को बेहतर कीमत मिल रही है।उन्होंने किसानों को पौधा संरक्षण एवं बागवानी संबंधी तकनीकी उपायों को अपनाने की सलाह भी दी।वहीं डीडीसी रवि जैन ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है।राज्य सरकार के निदेशानुसार आयोजित इस आम उत्सव का उद्देश्य योजना के लाभुकों द्वारा उत्पादित आम की बिक्री सुनिश्चित करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है।मौके पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, परियोजना बाल विकास पदाधिकारी रेखा रानी, बीडीओ मनोज कुमार रवि, सीओ रवि भूषण कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस प्रकाश रंजन, के अलावा अन्य पदाधिकारी, गणमान्य व किसान मौजूद थे।मेले में जिले के सभी छह प्रखंडों के किसानों एवं जेएसएलपीएस से जुड़ी महिला लाभुकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।कोडरमा प्रखंड से कौशल्या देवी एवं बसंती देवी, चंदवारा से बविता देवी एवं द्रौपदी देवी, जयनगर से सुखदेव राम, पिंकी देवी एवं कौशल्या देवी, डोमचांच से निरंजु देवी एवं किरण कुमारी, मरकच्चो से रामचंद्र यादव, रूबी वर्मा एवं आरती देवी, सतगावां से किरण मिश्रा एवं बबलू कुमार तथा कोडरमा सदर से अंजली कुमारी एवं संजू कुमारी ने मेले में भागीदारी की। मेले में जिले के छह किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने भी भाग लिया।इस अवसर पर डीसी व अन्य अधिकारियों ने किसानों से सीधे आम खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रींटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

स्थाई लोक अदालत ने कैंप कोर्ट में 14 मामलों का किया निपटारा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : झालसा के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर स्थाई लोक अदालत द्वारा कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक ऑफ इंडिया भगाबांध शाखा में वर्षों से लंबित ऋण संबंधी 14 सुलहनीय मामलों का निपटारा किया गया।

अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार एवं सदस्य सुधीर कुमार सिन्हा तथा दुर्गा चरण निश्चल की पहल से कुल 1 लाख 19 हजार 650 रुपये की रिकवरी कराई गई। अभियान का उद्देश्य आपसी सुलह के माध्यम से मामलों का त्वरित निष्पादन करना है।

एसडीओ ने किया एसआईआर का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे करकेंद मारवाड़ी धर्मशाला के विशेष कैंप पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कैंप की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम लोकेश बारंगे ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए तथा मैपिंग कार्य को सुचारु रूप से किया जाए। साथ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने,संशोधन एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों का निष्पादन पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाए। कैंप में आसपास के आधा दर्जन से अधिक बूथों के बीएलओ मौजूद थें, जो लोगों को मैपिंग,सत्यापन आदि कार्य कर रहे थे। बता दें कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जिले में 10 से 14 जून 2026 तक सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित इन कैंपों में मतदाताओं की मैपिंग,सत्यापन तथा विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। मौके पर केंद्र के सुपरवाइजर लक्ष्मण टूटी, कांग्रेस पार्टी के बीएलए लक्ष्मण तिवारी,भाजपा नेता आनंद खंडेलवाल के अलावे बीएलओ प्रमिला देवी, सुशीला देवी,सीमा देवी,जयश्री कुमारी, पिंकी देवी, रेखा रजक,अनीता देवी आदि मौजूद थे।

नेत्रदान से अंधेरे जीवन में आती है रोशनीः डॉ आलोक विश्वकर्मा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नेत्रदान महादान है और इससे किसी अंधे व्यक्ति को नई दृष्टि मिल सकती है। नेत्रदान से किसी के अंधेरे जीवन में रोशनी आती है। लोगों में यह भ्रांति है कि नेत्रदान से मृत शरीर का स्वरूप बिगड़ जाता है, जबकि चिकित्सकीय प्रक्रिया में केवल कॉर्निया सुरक्षित रूप से निकाला जाता है और चेहरे की बनावट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। नेत्रदान खुद भी करें और दूसरे को भी इसके लिए प्रेरित करें। उक्त बातें सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बुधवार को कहीं। अवसर था विश्व नेत्रदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का। कार्यक्रम एसएनएमएमसीएच में आयोजित था। इसमें नेत्रदाताओं को सम्मानित भी किया गया। नेत्रदान के लिए शपथ ही दिलवाई गई। डॉ विश्वकर्मा ने कहा कि मृत्यु के छह घंटे के भीतर ही कॉर्निया सुरक्षित किया जा सकता है, इसलिए समय पर निर्णय लेना आवश्यक है। एसएनएमएमसीएच में नेत्र बैंक की सुविधा उपलब्ध है, जहां दान किए गए कॉर्निया को संरक्षित कर जरूरतमंद मरीजों के प्रत्यारोपण में उपयोग किया जाता है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. डी.के. गंदोरिया ने कहा कि धनबाद में नेत्र बैंक होने के बावजूद जागरूकता की कमी के कारण अपेक्षित संख्या में नेत्रदान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक हेल्पलाइन नंबर जारी करने की योजना है, जिसके माध्यम से इच्छुक लोग आसानी से नेत्रदान के लिए पंजीकरण करा सकेंगे। साथ ही ओपीडी में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस महादान से जुड़कर किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी ला सकें। विश्व नेत्रदान दिवस के अवसर पर शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नेत्र विभाग एवं दृष्टि आई बैंक की ओर से नेत्रदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा, अधीक्षक डॉ. डी.के. गंदोरिया, नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार, अस्पताल प्रबंधक डॉ. सुमन कुमार, प्राचार्य डॉ. रामकृष्ण, नेत्रदाताओं के परिजन एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।इस अवसर पर उन तीन परिवारों को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया, जिनके परिजनों ने मृत्यु के बाद नेत्रदान कर किसी दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचाने का कार्य किया। वक्ताओं ने इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया।

दिव्यांग बच्चों के नामांकन के लिए 15 से 24 जून तक चलेगा विशेष अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विद्यालय से बाहर रह गए दिव्यांग बच्चों का नजदीकी विद्यालयों में नामांकन के लिए 15 जून से 24 जून तक विशेष नामांकन अभियान चलाया जाएगा। 15 जून से 24 जून तक चलने वाले विशेष नामांकन अभियान में दिव्यांग बच्चों का पोषक क्षेत्र के विद्यालयों में नामांकन कराकर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ा जाएगा।

नरेंद्र मोदी के सबसे लंबी अवधि तक पीएम बने रहने पर की गई पूजा अर्चना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने वाले जननेता बनने पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने मानस मंदिर, धनबाद में विधिवत पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं राष्ट्रसेवा के लिए मंगलकामनाएं कीं। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह ऐतिहासिक कीर्तिमान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की 145 करोड़ जनता के अटूट विश्वास, स्नेह और आशीर्वाद का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान स्थापित की है तथा विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने तप, त्याग, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र प्रथम की भावना से देश को नई दिशा प्रदान की है। आज भारत विश्व की प्रमुख शक्तियों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इतिहास में ऐसे अवसर विरले ही आते हैं जब कोई नेतृत्व केवल सरकार का संचालन नहीं करता, बल्कि एक युग की चेतना और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देश के युवाओं, किसानों, महिलाओं, गरीबों और वंचित वर्गों के लिए आशा, विश्वास और विकास का पर्याय बन चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की। कहा कि उनकी राष्ट्रसेवा की यह अविराम यात्रा भारत को प्रगति, प्रतिष्ठा और पर-ाक्रम की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती रहे तथा विकसित भारत के निर्माण का संकल्प शीघ्र पूर्ण हो। पूजा के बाद सभी के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र कुमार,धनबाद जिला महामंत्री मानस प्रसून, पार्षद अशोक पाल, रूपेश सिन्हा, जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, मंडल अध्यक्ष बसंती सिंह, इंद्रभूषण कुशवाहा, मनोज गुप्ता,रंजय सिंह, पुरुषोत्तम रंजन, रमा सिन्हा, दिलीप सिंह, नित्यानंद मंडल,जगबंधु मंडल, सतीश रजक, सपन कश्यप, जीराखान सिंह, मनोज रिंकू, अमित सिंह, टुन्ना सिंह, बालमुकुंद राम, मुकेश सिंह, अमित विशाल, टिंकू साव, राजू मालाकार, राणा सिंह, डी के सिंह, संजीत सिंह, जितेंद्र मालाकार, मनोज मालाकार, रवि सिन्हा, सुप्रभात सिन्हा, तमाल राय सहित सैकड़ों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में महिला का किया गया जटिल ऑपरेशन

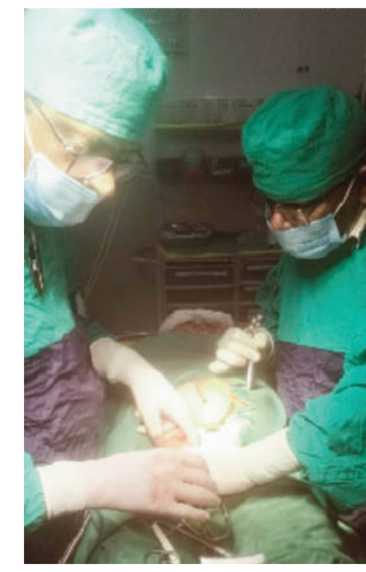

धनबाद। सदर अस्पताल धनबाद में बुधवार को महिला का जटिल ऑपरेशन हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित होने के कारण निजी अस्पताल में इस प्रकार के ऑपरेशन पर लगभग 30,000 से 40,000 रुपये तक का खर्च आ सकता था। महिला के लिए वहन करना कठिन था। सदर अस्पताल में यह उपचार निःशुल्क उपलब्ध होने से उन्हें समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा मिल सकी। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि बरवाअड्डा निवासी 42 वर्षीय लखीवाला देवी, पति दुलाल चंद्र प्रमाणिक, तीन महीनों से अत्यधिक मासिक रक्तस्त्राव की समस्या से परेशान थीं। लगातार रक्तस्त्राव के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर होती जा रही थी। आर्थिक तंगी के कारण वे निजी अस्पताल में उपचार कराने में असमर्थ थीं। अंततः उन्होंने सदर अस्पताल, धनबाद का रुख किया और यहाँ कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ संजीव कुमार प्रसाद से परामर्श लिया। विस्तृत जांच एवं अल्ट्रासोनोग्राफी कराने पर पता चला कि उनकी बच्चेदानी में गांठ है, जिसके कारण अत्यधिक रक्तस्त्राव हो रहा था। उनकी स्थिति को देखते हुए 10 जून 2026 को डॉ. संजीव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन किया गया। डॉ दिनेश कुमार द्वारा एनेस्थीसिया दिया गया। शल्य चिकित्सा टीम के सहायक के रूप में मधुसूदन मरांडी एवं रंजन उपस्थित रहे। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और वर्तमान में मरीज स्वस्थ हैं तथा तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं। लखीवाला देवी एक गृहिणी हैं तथा उनके दो पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पति पेशे से चालक हैं। लखीवाला देवी एवं उनके परिजनों ने सदर अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उन्हें सरकारी अस्पताल में यह सुविधा नहीं मिलती, तो आर्थिक कारणों से उपचार कराना अत्यंत कठिन हो जाता।

निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन पर रोक के लिए निकाली प्रभात फेरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः निषिद्ध मादक पदार्थों के विरूद्ध 10 जून से 25 जून तक मनाए जाने वाले जागरुकता अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को सिविल सर्जन कार्यालय से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ अलोक विश्वकर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों एवं आमजनों को मादक पदार्थों एवं तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही कार्यालय परिसर में तम्बाकू सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित किया। प्रभात फेरी में नोडल पदाधिकारी एनसीडी सेल धनबाद, आरसीएच पदाधिकारी धनबाद, सिविल सर्जन कार्यालय के स्वास्थ्य कर्मी, एएनएमटीसी नर्सिंग स्कूल, संत जेवियर्स इंटरनैशनल स्कूल ऑफ नर्सिंग, एसजेएएस कॉलेज ऑफ फारमसी, जेपी नर्सिंग स्कूल एवं धनबाद नर्सिंग स्कूल के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

चिरागोड़ा में बहेगी भक्ति की गंगाः 8 जुलाई से श्रीमद्भागवत सप्ताह, प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव और भव्य भगवती जागरण

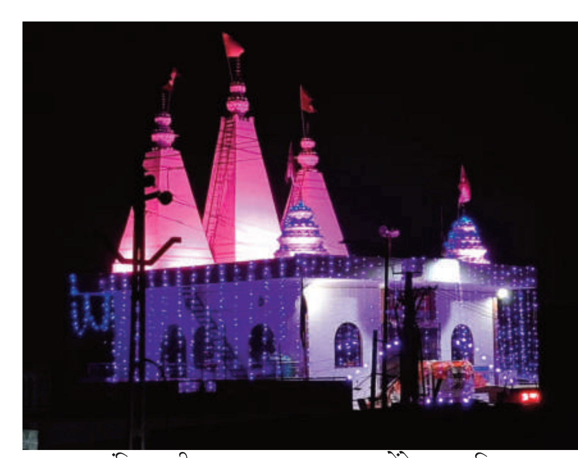

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जागृत मंदिर, चिरागोड़ा के तृतीय स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा तृतीय वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन 8 जुलाई 2026 से 16 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने को लेकर भगवती जागृत मंदिर समिति की बैठक में विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई।

समिति के सचिव राजेश सिन्हा ने बताया कि 8 जुलाई, बुधवार को प्रातः 6:30 बजे मंदिर परिसर से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से वृंदावन के प्रसिद्ध संत श्री उज्ज्वल शांडिल्य जी महाराज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। कथा का वाचन 14 जुलाई तक प्रतिदिन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 13 जुलाई से 15 जुलाई तक मंदिर में वार्षिकोत्सव एवं प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होंगे। वहीं 15 जुलाई को पूर्णाहुति के उपरांत रात्रि 8 बजे से भव्य भगवती जागरण एवं आकर्षक धार्मिक झांकियों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर 16 जुलाई को शाम 4 बजे पूर्णाहुति के बाद महा भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

मंदिर समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से इस पावन आयोजन में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। पूरे कार्यक्रम को लेकर चिरागोड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है।

मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए 16 जून को प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सर्किट हाउस धनबाद में बुधवार को असंगठित मजदूर मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो सहित संगठन के कई पदाधिकारियों और मजदूर नेताओं ने हिस्सा लिया। मजदूरों की समस्याओं, संगठन के विस्तार और श्रमिक अधिकारों के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। नेताओं ने कोयला आउटसोर्सिंग कंपनियों और गिरिडीह के आयरन कारखानों में मजदूरों के शोषण का आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय सदस्य निताई महतो और सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि धनबाद के विभिन्न कोयला आउटसोर्सिंग परियोजनाओं में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल रही है। साथ ही आवास, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से भी उन्हें वंचित रखा जा रहा है। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन जल्द ही जोरदार आंदोलन चलाएगा नेताओं ने गिरिडीह के आयरन उद्योगों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयरन कारखाने में श्रमिकों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी और अन्य सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। जब मजदूरों ने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और धरना-प्रदर्शन किया, तो प्रबंधन ने कथित तौर पर 28 मजदूरों को नौकरी से बाहर कर दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर भाकपा (माले) के विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने विधानसभा में भी आवाज उठाई थी। जिसके बाद सरकार की ओर से मजदूरों को पुनः काम पर रखने और नियमानुसार वेतन व सुविधाएं देने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन प्रबंधन ने अब तक आदेशों का पालन नहीं किया। इसी के विरोध में 16 जून को गिरिडीह उपायुक्त कार्यालय के समक्ष चेतावनी प्रदर्शन किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि यदि इसके बाद भी प्रबंधन नहीं चेता तो सड़क जाम सहित उग्र आंदोलन किया जाएगा।

आयुष फाउंडेशन धनबाद ने इंटर्न्स को कराया ग्रामीण जीवन का अनुभव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा इंटर्नशिप कर रहे विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवन एवं सामाजिक सरोकारों से परिचित कराने के उद्देश्य से गोड़तोपा गांव का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान इंटर्न्स को गांव की वास्तविक परिस्थितियों से रूबरू होने तथा समाज के वंचित वर्गों के जीवन को नजदीक से समझने का अवसर मिला। गौरतलब है कि आयुष फाउंडेशन धनबाद पिछले पांच वर्षों से गोड़टोपा गांव में रह रहे मालाकार परिवार के एक कुनबे के उत्थान हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था द्वारा परिवार के सदस्यों का राशन कार्ड बनवाने, बैंक खाता खुलवाने, बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने सहित विभिन्न आवश्यक कार्यों में सहयोग प्रदान किया गया है। भ्रमण के दौरान इंटर्न्स ने गांव के बच्चों के साथ समय बिताया तथा उन्हें ड्राइंग और कविता का प्रशिक्षण दिया। साथ ही बच्चों एवं ग्रामीणों के बीच टॉफी, बिस्किट, खीरा, केला, ड्राइंग कॉपी, रंग तथा कपड़ों का वितरण भी किया गया। इंटर्न्स ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनके दैनिक जीवन, चुनौतियों और आवश्यकताओं की जानकारी भी प्राप्त की। इस अनुभव ने विद्यार्थियों को समाज सेवा के महत्व को समझने और संवेदनशीलता विकसित करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर आयुष फाउंडेशन धनबाद की सचिव अर्पिता अग्रवाल, अध्यक्ष गणेश शर्मा, निरुपमा नायक, प्रीतम साव, सिमरन सिंह, अनुष्का दास, अमिताभ दास एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। संस्था ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को समाज के विभिन्न वर्गों से जोड़ने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रयास जारी रहेगा।

पदुगोड़ा रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास के एक माह में चालू होने की उम्मीद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः महुदा-तालगड़िया रेलखंड पदुगोड़ा रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास का निर्माण कार्य तेज गति से जारी है। निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और संभावना जताई जा रही है कि एक माह के भीतर इसे पूरा कर आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा। अंडरपास का निर्माण पूरा होते ही महुदा रेलवे प्रशासन इसे यातायात के लिए चालू कर देगा। निर्माण कार्य की प्रगति पर नजर रखने के लिए रेलवे के अधिकारी लगातार स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं तथा संबंधित एजेंसी को समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दे रहे हैं। गौरतलब है कि पदुगोड़ा रेलवे फाटक पर दिनभर में कई बार रेल परिचालन के कारण फाटक बंद करना पड़ता है। इससे स्थानीय लोगों, वाहन चालकों और राहगीरों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। अंडरपास चालू होने के बाद लोगों को रेलवे फाटक बंद रहने की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी और आवागमन सुगम हो जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास बनने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी तथा समय की भी बचत होगी। वहीं रेलवे कर्मचारियों की तैनाती में भी बदलाव संभव है और फाटक पर कार्यरत कर्मचारियों को अन्य स्थानों पर उपयोग किया जा सकता है। रेलवे सूत्रों के अनुसार मानसून से पहले निर्माण कार्य पूरा करना विभाग की प्राथमिकता है।

लाइसेंस के बिना चल रहे उत्सव रिसॉर्ट को नगर निगम ने किया सील

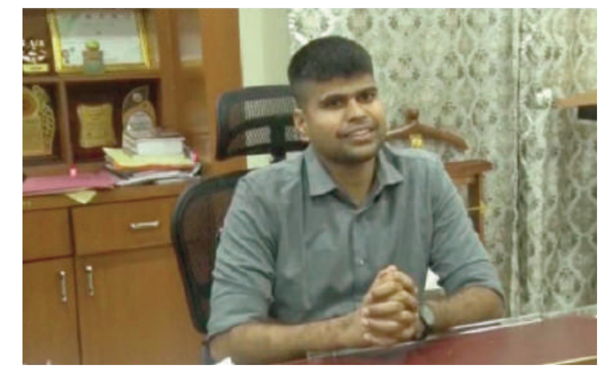

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बिना लाइसेंस के चल रहे उत्सव रिसोर्ट को नगर निगम ने सील कर दिया है। यह कार्रवाई बिना आवश्यक लाइसेंस के संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत की गई है। धनबाद नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने बताया कि जांच में पाया गया कि धनबाद शहरी क्षेत्र में करीब 177 रिसॉर्ट का संचालन, धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज एवं हॉस्टल आवश्यक लाइसेंस प्राप्त किए बिना संचालित हैं। नगर निगम पूर्व में स-ार्वजनिक सूचना और नोटिस जारी कर संबंधित प्रतिष्ठान को आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त करने का अवसर दिया गया था। बावजूद इसके निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान प्रतिष्ठान को झारखंड नगर पालिका अधिनियम, 2011 एवं नियमावली, 2013 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाया गया। इसके बाद निगम प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से उत्सव रिसॉर्ट के संचालन पर रोक लगाते हुए परिसर को सील करने की कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि नगर क्षेत्र में संचालित सभी विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज, हॉस्टल एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित नियमों के अनुसार आवश्यक अनुज्ञप्ति और स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य है। नगर आयुक्त ने सभी संचालकों से नियमों का पालन सुनिश्चित करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि अनधिकृत रूप से संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रुथ पथ

धनबाद, गुरूवार 11 जून 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

रिलायंस के साथ मिलकर भारत में एआई डेटा सेंटर बनाएगा मेटा, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़ा निवेश

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः मेटा ने भारत में अपना पहला एआई-सक्षम डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। गुजरात के जामनगर में विकसित होने वाली इस सुविधा की शुरूआती क्षमता 168 मेगावाट होगी, जिसे भविष्य में और विस्तार देने का विकल्प भी रखा गया है। कंपनी के अनुसार यह डेटा सेंटर भारत में उसके तेजी से बढ़ते उपयोगकर्ता आधार को बेहतर डिजिटल सेवाएं और उन्नत एआई क्षमताएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मेटा के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि जामनगर में बनने वाली यह विश्वस्तरीय सुविधा कंपनी के वैश्विक एआई बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी और भारत में उसके दीर्घकालिक निवेश को नई मजबूती देगी। जामनगर में विकसित किया जा रहा डेटा सेंटर नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगा तथा इसकी शीतलन प्रणाली के लिए समुद्री जल को शुद्ध कर उपयोग में लाया जाएगा। यह निवेश मेटा और रिलायंस के बीच वर्षों से चली आ रही साझेदारी का नया अध्याय माना जा रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि यह साझेदारी भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे में बड़ा बदलाव लाने वाली है और इससे देश को वैश्विक एआई क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। मेटा ने साथ ही क्लीनमैक्स और फोर्थ पार्टनर एनर्जी के साथ समझौते कर भारत में करीब 1 गीगावाट नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को समर्थन देने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि इससे उसका बढ़ता डिजिटल बुनियादी ढांचा स्वच्छ ऊर्जा से संचालित होगा और नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।

108 एम्बुलेंस सेवा में लापरवाही पर दो चिकित्सक निलंबित

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा की निगरानी और इसके संचालन में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में दो चिकित्कों पर कार्रवाई की है, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में भी गंभीर उदासीनता और लापरवाही बरती गई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि दोनों अधिकारियों द्वारा उच्चाधिकारियों के निदेशों की अवहेलना की गई है।जानकारी के अनुसार, बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनुप तिर्की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लापुंग के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार विनायक को 108 एंबुलेंस सेवा के प्रभावी संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।इसके लिए दोनों अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की गई थी, ताकि राज्य की आपातकालीन चिकित्सा सेवा को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।हालांकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड द्वारा स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि दोनों चिकित्सकों ने प्रतिनियुक्ति आदेश के अनुरूप समय पर योगदान नहीं दिया। विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रथम द्दष्टया आरोपों को सत्य मानते हुए दोनों चिकित्सकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि निलंबन की कार्रवाई के अतिरिक्त दोनों अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी संचालित की जाएगी, जिसमें आरोपों की विस्तृत जांच की जायेगी। गौरतलब हो कि डॉयल 108 एंबुलेंस सेवा राज्य की सबसे महत्वपूर्ण आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में से एक है, जिसके माध्यम से दुर्घटना, प्रसव, हृदयाघात तथा अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

लातेहार में अलकतरा प्लांट से फैल रहा प्रदूषण, ग्रामीणों ने प्लांट का किया विरोध

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिले के मनिका प्रखंड के चौकिया गांव में संचालित अलकतरा (हॉट मिक्स) प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। प्लांट से निकलने वाले धुएं, डस्ट और दुर्गंध से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल प्लांट को बंद कराने तथा संबंधित संचालकों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीण सुनील यादव, भोला यादव व प्रमोद यादव ने कहा कि घनी आबादी के बीच स्थापित इस प्लांट के संचालन से आसपास का वातावरण पूरी तरह प्रदूषित हो गया है। दिन-रात निकलने वाले धुएं और धूलकणों के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों ने बताया कि प्लांट से उठने वाली तीखी दुर्गंध के कारण खाना-पीना तक दुर्लभ हो गया है और सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों ने कहा कि प्लांट परिसर के चारों ओर सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल तक नहीं बनाई गई है। इस कारण पिछले दिनों प्लांट परिसर में चार बकरियों की मौत हो गई थी। घटना के बाद भी संचालक द्वारा सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही प्लांट को बंद कर प्रदूषण और सुरक्षा मानकों की जांच नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि गांव के लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मौके पर लालू यादव, अशोक यादव, छोटू यादव, कुलदीप यादव, संदीप यादव, पंकज यादव, रामदयाल यादव, प्रदीप यादव, मुन्नी देवी व महावीर यादव समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट की शुभांरभ

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

साहेबगंज : संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट की शुभारम्भ बुधवार को साहिबगंज के पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय में हुआ संथाल के सभी छहों जिला से पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। 10 जून से 12 जून यानि तीन दिनों चलने वाली इस मीट में अपराध अनुसंधान के तकनिकी पहलुओं का प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से दिया जायेगा।जिसमे फॉरेंसिक जाँच और तकनिकी जानकारी दी जाएगी इसके बाद सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता कराई जाएगी।इसमें विजयी प्रतिभागी को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इसके बाद यह कार्यक्रम क्षेत्रीय स्तर के बाद राज्य स्तर पर आयोजित किया जायेगा।

चक्रधरपुर में रेलवे की सफाई के दौरान मिला महिला का कटा सिर, प्लास्टिक में बंद मिले शव के अवशेष

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई जब रेलवे द्वारा कराई जा रही सफाई के दौरान मलबे के बीच एक महिला का कटा हुआ सिर बरामद हुआ।घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया।बाद में तलाशी के दौरान प्लास्टिक में बंद शव के अन्य अवशेष भी मिलने से मामला और रहस्यमय हो गया। पुलिस हत्या की आशंका को लेकर जांच में जुट गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित पुराने माल गोदाम क्षेत्र को हटाकर वहां नए प्लेटफॉर्म के निर्माण की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में रेलवे द्वारा माल गोदाम परिसर की सफाई कर वर्षों से जमा मलबा और कचरा हटाया जा रहा है। सफाई के दौरान निकाले गए मलबे को रेलवे कर्मियों द्वारा शहर के बाहरी हिस्से में स्थित गड्ढेनुमा क्षेत्र में डंप किया जा रहा था।बुधवार को जब बर्टन लेक के पास मलबा फेंका जा रहा था, तभी उसमें एक महिला का कटा हुआ सिर दिखाई दिया।यह दृश्य देखते ही वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए।तत्काल इसकी सूचना रेलवे अधिकारियों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कटा हुआ सिर प्लास्टिक में लिपटा हुआ था।सिर के बाल और चेहरे के कुछ हिस्से सुरक्षित होने के कारण यह अनुमान लगाया जा रहा है कि शव को बहुत अधिक समय पहले नहीं दफनाया गया होगा। बाद में पुलिस और रेलवे कर्मियों द्वारा आसपास के मलबे की गहन जांच की गई, जिसमें प्लास्टिक में बंद शव के अन्य अवशेष भी बरामद हुए।प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव के टुकड़े किए गए और पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे माल गोदाम क्षेत्र में दफना दिया गया।यह भी माना जा रहा है कि अपराधियों ने सुनसान इलाके का फायदा उठाकर शव को वहां ठिकाने लगाया होगा। वर्षों बाद सफाई अभियान के दौरान यह मामला सामने आया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे का माल गोदाम क्षेत्र लंबे समय से अपेक्षाकृत सुनसान रहा है।अंधेरा होने के बाद यहां लोगों की आवाजाही भी काफी कम रहती है। ऐसे में अपराधियों द्वारा इस स्थान का इस्तेमाल शव छिपाने के लिए किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।घटना की सूचना पर चक्रधरपुर रेल थाना, जीआरपी तथा आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बरामद सिर और अन्य अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम एवं फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।शव की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक जांच का सहारा लिया जाएगा।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि महिला की मौत कब हुई और उसके पीछे क्या कारण थे।

इस सनसनीखेज बरामदगी के बाद पूरे चक्रधरपुर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।स्थानीय लोग घटना को लेकर स्तब्ध हैं और पुलिस से मामले का जल्द खुलासा करने की मांग कर रहे हैं।फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस हर संभावित सुराग को खंगालने में जुटी हुई है।

पोते की हत्या के आरोपी सौतेली दादी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने सुनाया फैसला

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : दादी द्वारा छह वर्षीय पोते विक्रम कुमार उर्फ सौरव की हत्या करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपी सौतेली दादी रेखा देवी 53 वर्ष पति मनोज यादव निवासी गझंडी कोडरमा को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई।साथ ही 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया. जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।जानकारी के अनुसार मामला वर्ष 2025 का है. घटना को लेकर मृतक की मां पूनम देवी ने तिलैया थाना में कांड संख्या 123/25 दर्ज कराया था। थाना को दिए आवेदन में पूनम देवी ने अपने सास-ससुर व अन्य पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की थी। आवेदन में कहा गया था कि कुछ दिन पूर्व होली के समय पूनम देवी के पति अरविंद कुमार ने शराब के नशे में उसकी सास के साथ मारपीट व गला दबाने का प्रयास किया था। इसके बाद सास रेखा देवी व ससुर मनोज यादव ने उसके बेटे की हत्या करने की धमकी दी थी।बता दें कि अरविंद कुमार, मनोज यादव की पहली पत्नी का पुत्र था, जबकि रेखा देवी मनोज यादव की दूसरी पत्नी थी. मनोज यादव की पहली पत्नी का देहांत हो चुका था। पुलिस ने 16 अप्रैल 2025 को पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया था कि सौतेली होने की वजह से दादी ने द्वेष की भावना से बच्चे की हत्या की और शव को जंगल में दफना दिया।पुलिस के समक्ष रेखा देवी ने कपड़ा टांगने वाली रस्सी से बच्चे की गला दबाकर हत्या करने की बात स्वीकार की थी।अदालत में मामला आने पर स्पीड ट्रायल हुई। अदालत ने मात्र 14 माह के अंदर मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया। अदालत में अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया।इस दौरान सभी 8 गवाहों का परीक्षण कराया गया. कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया।वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता वचन देवनाथ आर्या ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया।अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यों का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त सजा सुनाई और जुमार्ना लगाया।

करौं प्रखंड के मनरेगा जेई को एसीबी टीम ने घूस लेते रहे हाथ किया गिरफ्तार

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : करौं प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित मनरेगा जेई संतोष कुमार को एसीबी दुमका की टीम ने बुधवार को लाभुक से 5 हजार घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि प्रखंड से डिंडाकोली पंचायत के लकरछरा गांव में टीसीबी योजना का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। कार्य का विपत्र बनाने के लिए जेई संतोष कुमार ने लाभुक भीम राणा से 7000 घूस की मांग कर रहा था।लाभुक ने बताया कि 2000 राशि पूर्व में दे दी गई थी।शेष 5000 राशि नहीं रहने कारण हुए परेशान थे और इसकी शिकायत दो सप्ताह पूर्व दुमका एसीबी कार्यालय में किया था।एसीबी की टीम इसके बाद करौं जाकर को अपने ढंग से मामले की छानबीन किया था।जेई ने लाभूक को बुधवार को पैसे लेकर बुलाया था। जिसकी जानकारी लाभूक ने एसीबी दुमका की टीम को दिया।इसके बाद एसीबी की 20 सदस्यीय टीम बुधवार को सादे लिवास मे में करौं पहुंची और पाउडर लगा 5000 राशि लाभूक को दिया।उक्त राशि को लाभुक ने जेई को उसके प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित क्वार्टर में जाकर दिया। पैसा देने के दौरान ही एसीबी की टीम पहुंची और जेई को रंगेहाथ पकडा।जेई का हाथ धुलवाया गया जिससे पानी लाल हो गया। एसीबी की टीम उसे गिरफ्तार कर अपने साथ दुमका ले गई।

ट्रेन से कट कर अज्ञात व्यक्ति की मौत, ट्रैक पर मिला शव

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

गिरीडीह : बुधवार की सुबह गिरिडीह मधुपुर रेलखंड पर गोंदली टांड़ के पास ट्रेन से कट कर एक व्यक्ति की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह गिरिडीह मधुपुर रेलखंड पर ग्राम-गोंदलीटांड, थाना गांडेय स्थित रेलवे ट्रैक पोल संख्या 19/3 एवं 19/4 के बीच ट्रेन संख्या 53512 से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गई।घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को जानकारी दी।

1.50 करोड़ की ड्रेन मास्टर मशीन से होगी शहर के नदियों व नालों की सफाई, दो टन की स्टोरेज क्षमता, 360 डिग्री में घुमने की क्षमता

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : शहर के जलाशयों, नदियों, नालों और तालाबों की सफाई को नई गति देने के लिए रांची नगर निगम को अत्याधुनिक एम्फीबियस ड्रेन मास्टर मशीन मिली है।इस ड्रेन मास्टर मशीन का उदघाटन बुधवार मेयर रोशनी खलखो व डिप्टी मेयर नीरज कुमार ने किया।उदघाटन के बाद मशीन को हरमू नदी में उतारकर सफाई कार्य शुरू किया गया।नगर निगम ने यह मशीन सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएसआर मद से खरीदी है।मशीन की लागत करीब 1.50 करोड़ रुपये है।उदघाटन के अवसर पर मेयर ने कहा कि मॉनसून को देखते हुए नदी-नालों और जलाशयों की व्यापक सफाई करायी जा रही है। यह मशीन नदी में जमे गाद, कचरे और अन्य अपशिष्टों को निकालने में सक्षम है, जिससे जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी। डिप्टी मेयर ने कहा कि यह मशीन जल और स्थल दोनों जगह काम कर सकती है। बरसात के दौरान भी यह जलाशयों में तैरते हुए सफाई कर सकेगी। इससे शहर के जल स्त्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता अभियान को मजबूती मिलेगी।मौके पर उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार, नगर प्रबंधक, सीसीएल के प्रतिनिधि और स्वच्छता शाखा के अधिकारी-कर्मी मौजूद थे।ड्रेन मास्टर मशीन में दो टन क्षमता का स्टोरेज सिस्टम है।यह गहराई में जमे गाद को निकालने के साथ-साथ इसमें स्टोर कर सकता है। 360 डिग्री में यह घुम सकता है।इससे सफाई के कार्य में आसानी होती है।इस दौरान आम नागरिकों से अपील किया गया कि वे नदियों, तालाबों और नालों में कचरा या अपशिष्ट नहीं डालें तथा जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।

होली के दिन मसानजोर डैम में मिला था युवती का शव, घुमाने के बहाने ले जाकर प्रेमी ने धक्का देकर डैम में गिरा दिया था, आरोपी गिरफ्तार

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : मसानजोर डैम में मार्च 2026 में मिली अज्ञात युवती के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।तकनीकी अनुसंधान, मानवीय साक्ष्य एवं छापेमारी के आधार पर पुलिस ने युवती की हत्या के आरोप में उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देवघर जिले के सारठ थाना क्षेत्र के जमुआसोल निवासी 18 वर्षीय केतन कुमार मंडल के रूप में हुई है।पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के अनुसार 4 मार्च 2026 को मसानजोर डैम के पानी में एक अज्ञात युवती का शव मिला था।जो 28 फरवरी से ही गायब थी. बाद में परिजनों ने शव की पहचान की और बताया कि शव नगर थाना क्षेत्र के दुधानी निवासी 19 वर्षीय रीना कुमारी की है। रीना की परिजन सीता देवी ने लिखित आवेदन देकर एक मोबाइल नंबर के धारक पर हत्या कर शव को डैम में फेंकने का आरोप लगाया था।इस संबंध में मसानजोर थाना कांड संख्या 39/2026 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। अनुसंधान के दौरान मोबाइल नंबर की जांच में पता चला कि नंबर राजीव रंजन मंडल के नाम से निर्गत था, लेकिन उसका उपयोग केतन कुमार मंडल कर रहा था, तकनीकी साक्ष्य और अन्य प्रमाणों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

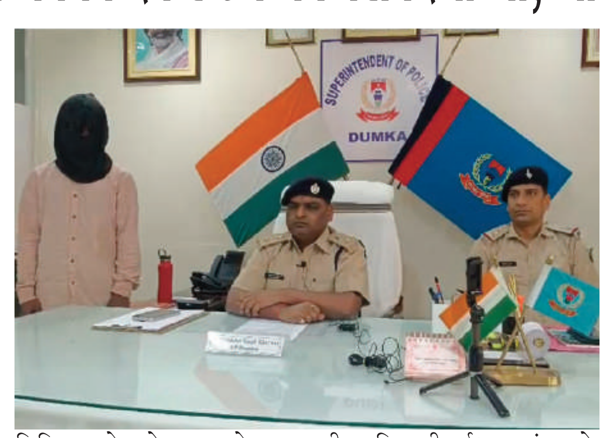

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका और रीना कुमारी का करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध था।युवती लगातार शादी के लिए दबाव बना रही थी।इसी दबाव से बचने के लिए वह घुमाने के लिए मसानजोर डैम ले गया, जहां उसने रीना की हत्या कर शव को मसानजोर डैम में फेंक दिया।पुलिस ने आरोपी के पास से एक काला पीठू बैग, सफेद-गुलाबी रंग की कढ़ाईदार ओढ़नी, रीना कुमारी की बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड तथा शैक्षणिक प्रमाणपत्र बरामद किए हैं।छापेमारी दल में एसडीपीओ दिलीप खलखो, पुलिस निरीक्षक विष्णुदेव पासवान, मसानजोर थाना प्रभारी अवदेश कुमार, अनुसंधानकर्ता चंद्रेश्वर रविदास, जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार सहित तकनीकी शाखा एवं मसानजोर ओपी के पुलिसकर्मी शामिल थे।

जन समाधान में विधवा महिला को मिली राहत,ऑन स्पॉट स्वीकृत हुआ पेंशन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जन समाधान कार्यक्रम के तहत समाहरणालय सभाकक्ष में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान आमजनों ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से उपायुक्त को अवगत कराया, जिसपर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।जन समाधान कार्यक्रम के दौरान मेदिनीनगर के हमीदगंज से आयी माया कुमारी सिन्हा ने उपायुक्त को बताया कि वर्ष 2021 में कोरोना के कारण उनके पति का निधन हो गया था। उनके परिवार में अब कोई पुरुष सदस्य नहीं है तथा उनकी एक छोटी बच्ची है, जिसके पालन-पोषण में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार की विधवा पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए कई बार आवेदन किया गया, लेकिन हर बार किसी न किसी त्रुटि के कारण आवेदन स्वीकृत नहीं हो सका।

उन्होंने कहा कि यदि पेंशन का लाभ मिल जाता तो आर्थिक परेशानियों से कुछ राहत मिलती।माया कुमारी सिन्हा की समस्या सुनने के बाद उपायुक्त श्री शेखावत ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक को तत्काल इस मामले के निष्पादन की जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद जनता दरबार में ही ऑन स्पॉट माया कुमारी सिन्हा की विधवा पेंशन स्वीकृत कर दी गयी।मौके पर ही महिला को स्वीकृति पत्र भी सौंपा गया।उपायुक्त की इस त्वरित कार्रवाई से महिला ने राहत महसूस करते हुए प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपरोक्त के अतिरिक्त जन समाधान कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने, दाखिल-खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा एवं कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गये।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल के चार पॉकेटमार गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में पश्चिम बंगाल के चार कथित पॉकेटमारों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से चोरी के चार मोबाइल फोन तथा 19 हजार 800 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जब्त सामान की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई गई है। बताया गया कि अपराध नियंत्रण एवं निगरानी अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 के हावड़ा छोर पर चार संदिग्ध व्यक्तियों को बैठे देखा गया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान सलामत गाजी, मिलन अली मोला, महसिन शाह और नाजीबर मंडल के रूप में बताई। सभी पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान सलामत गाजी के पास से एक ओप्पो मोबाइल और 19 हजार 800 रुपये नकद, मिलन अली मोला के पास से रियलमी मोबाइल, महसिन शाह के पास से रियलमी नार्जो मोबाइल तथा नाजीबर मंडल के पास से इनफिनिक्स मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि ये सामान गया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रियों से चोरी किए गए थे। इसके बाद पुलिस ने सभी बरामद सामान जब्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उपनिरीक्षक विकास कुमार की लिखित शिकायत पर जीआरपी थाना में मामला दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री का एमएसएमई विजन से विकसित भारत की मजबूत हो रही नींव: जीतनराम मांझी

गया जी (एजेंसी) : गया जी सांसद सह केंद्रीय एमएसएमई विभाग के मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। पिछले वर्षों में केंद्र सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं जिनमें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, आपातकालीन ऋण गारंटी योजना , प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, उद्यम पंजीकरण और सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं। इन पहलों से छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता, आसान ऋण, तकनीकी उन्नयन और बाजार तक बेहतर पहुंच मिली है। बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर केंद्रीय मंत्री श्री मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री का एमएसएमई विजन आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जुड़ा हुआ है। सरकार एआई, डिजिटलीकरण, हरित विनिर्माण और इंडस्ट्री 4.0 जैसी आधुनिक तकनीकों को एमएसएमई क्षेत्र से जोड़ने पर विशेष बल दे रही है ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें। वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।एमएसएमई क्षेत्र आज देश में कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले क्षेत्रों में शामिल है। सरकार की नीतियों के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

बेटी के हाथ पीले होने से पहले लापता हुए पिता, शादी की खुशियों पर छाया चिंता का साया

23 जून को है बेटी की शादी, तैयारियों के बीच अचानक गायब हुए शशिभूषण उपाध्याय

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे एक परिवार की खुशियां उस समय चिंता में बदल गईं, जब विवाह से महज कुछ दिन पहले ही परिवार के मुखिया रहस्यमय ढंग से लापता हो गए। फतेहपुर प्रखंड के नीमी गांव निवासी शशिभूषण उपाध्याय उर्फ ललन जी मंगलवार से रहस्यमय तरीके से लापता हैं। उनकी गुमशुदगी ने पूरे परिवार को बेचैन कर दिया है। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराकर सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार शशिभूषण उपाध्याय की पुत्री की शादी आगामी 23 जून को तय है। घर में विवाह की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इसी बीच मंगलवार को शशिभूषण उपाध्याय घर से निकले और फतेहपुर में एक परिचित व्यक्ति के यहां अपनी साइकिल खड़ी कर कहीं जाने की बात कहकर चले गए। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिवार के सदस्यों ने रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका पता नहीं चला तो परिजनों ने फतेहपुर थाना पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दी और पुलिस से उन्हें जल्द खोजने की मांग की।परिवार का कहना है कि बेटी की शादी सिर पर है और ऐसे समय में घर के मुखिया का अचानक लापता हो जाना पूरे परिवार के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है। परिजन उनकी सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए हुए हैं। वहीं पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच करते हुए उनकी तलाश में जुट गई है।

सभी स्तरों के सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता- निशांत

पटना, (एजेंसी) :बुधवार को जद (यू) प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुँचे फरियादियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर निशांत कुमार ने कहा कि आमजन को बेहतर एवं समुचित उपचार उनके नजदीकी सरकारी अस्पतालों में ही उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मरीजों को अनावश्यक रूप से उच्च संस्थानों में रेफर किए जाने की स्थिति को न्यूनतम करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में जिला अस्पतालों सहित सभी स्तर के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है, ताकि अधिकांश बीमारियों का उपचार स्थानीय स्तर पर ही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्रॉमा सेंटरों की संख्या बढ़ाने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही, सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दामोदर रावत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा ने भी अपने-अपने विभागों से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक पहल की। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित पार्टी के कई नेतागण मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित फरियादियों ने मंत्रियों की संवेदनशीलता एवं जनसमस्याओं के समाधान के प्रति प्रदर्शित गंभीरता की संतोष व्यक्त करते हुए सराहना की।

कोडरमा स्टेशन से मोबाइल चोर गिरफ्तार, तीन मोबाइल जब्त

पूछताछ में आरोपी ने यात्रियों के मोबाइल चोरी करने की बात कबूली

जीआरपी प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कर रही कार्रवाई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा बल की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत कोडरमा रेलवे स्टेशन पर एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई है। आरपीएफ द्वारा पकड़ा गया चोर समस्तीपुर जिले का रहने वाला है।बताया गया है कि आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार के निर्देशन में आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के अधिकारी एवं जवान स्टेशन परिसर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान स्टेशन के दक्षिणी छोर पर स्थित पीआरएस काउंटर के पास बने हॉल में एक युवक संदिग्ध अवस्था में इधर-उधर तांक-झांक करता दिखाई दिया। संदेह होने पर जवानों ने उसे रोककर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम मो. असलम (29 वर्ष), पिता मो. सलाउद्दीन, निवासी मेदीचक, मौजी मोहल्ला, थाना हसनपुर, जिला समस्तीपुर (बिहार) बताया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से दो स्मार्टफोन और एक कीपैड मोबाइल बरामद हुआ। जब उससे मोबाइलों का लॉक खोलने को कहा गया तो वह ऐसा नहीं कर सका और घबराने लगा। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ये मोबाइल कोडरमा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से चोरी किए थे। पकड़े जाने के डर से उसने दोनों स्मार्टफोन के सिम कार्ड निकालकर मोबाइल कवर में छिपा दिए थे।आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि पूछताछ के बाद गिरफ्तार आरोपी को बरामद मोबाइलों के साथ जीआरपी के हवाले कर दिया गया। मामले में कांड दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर भाजपा कार्यकताओं ने किया पूजा-पाठ

सहरसा, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को महावीर चौक मंदिर में भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन की उपस्थिति में विशेष पूजा-अर्चना सामुहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

इस अवसर पर देश की उन्नति, समृद्धि तथा प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु के लिए सामूहिक रूप से मंगल कामना की गई।

कार्यक्रम में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन ने संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को भारत के विकास, सुशासन, जनकल्याण और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं तथा गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं।

इस अवसर पर सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के दीघार्यु जीवन एवं राष्ट्र के निरंतर विकास के लिए प्रार्थना की।कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का भी संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह, भैरवानंद झा, जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, राजीव रंजन साह, मिहिर झा, रिंकी देवी, विजय बसंत, सुबोध साह, सुगामनी देवी, नमिता पाठक, राम सुंदर साहा, महावीर यादव, मिडिया प्रभारी सुमित सिन्हा, नगर अध्यक्ष अभिनव सिंह, आशिष गुप्ता, बिपिन कुमार कुशवाहा, राजेश वर्मा, महेश झा, सुमीत कुमार, बिद्धु, हेम नारायण गुप्ता, अखिलेश पांडेय, संजय साह, प्रदीप झा सहित अन्य उपस्थित थे।

सोशल साइट पर हथियार लहराने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

पश्चिम चम्पारण(बगहा), (एजेंसी) : फेशबुक पर हथियार के साथ फोटो वायरल करके ग्रामीणों के बीच भय पैदा करने के आरोप में बगहा पुलिस जिला के चौतवा थाना ने तीन आरोपी को गिरफ्तार की है।

पुलिस अधीक्षक रामानन्द कौशल ने पत्रकार वार्ता में बुधवार को बताया कि पुलिस को वायरल फोटो की सूचना मिलते ही डीआईयू टीम से जांच करायी गयी। जॉचोपरांत फेशबुक उपयोगकर्ता सोनेलाल कुमार पिता चंदन यादव (सरपंच) बसवरिया ग्राम बसवरिया थाना चौतरवा के रूप में पहचान हुई। तकनीकी सहयोग से सोनेलाल कुमार को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ के क्रम में जानकारी मिली कि नन्हू के पिता रामनाथ यादव का पिस्टल था, उनसे बोला कि मुझे फोटो खिचवाना है तो वो दे दिया। पुनः नन्हू के मोबाईल नंबर के तकनीकी जॉचोपरांत गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के क्रम में इसने बताया कि तबरेज अंसारी शरीफ अंसारी से पिस्टल लिया था। पुनः तबरेज अंसारी के मोबाईल नंबर के तकनीकी जंचोपरांत गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के क्रम में बताया कि ये पिस्टल उदय का है, तत्पश्चात उदय गोंड पिता प्रहलाद गोंड के घर बसवरिया में विधिवत तलाशी लिया गया। तलाशी के क्रम में एक पिस्टल बरामद किया गया, जिसे विधिवत जब्त किया गया । वही उदय गोंडड फरार पाया गया , जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। इस संदर्भ में चौतरवा थाना कांड सं0-212/26 दिनांक 10.06.2026 धारा-25 (1-बी) ए/26/35/25(9) आर्म्स एक्ट दर्ज किया है।

सभी गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में अपने दोष को स्वीकार किया है।पुलिस अधीक्षक ने आगे बताया कि अवैध हथियार रखना, हथियार का प्रदर्शन करना एवं सोशल मीडिया पर वायरल करना शस्त्र अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है, ऐसे अपराध की रोकथाम के लिए बगहा पुलिस सोशल मीडिया की पैनी नजर रखी हुई है।

फतेहपुर में सर्पदंश से महिला की मौत, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

झाड़-फूंक के भरोसे बुझ गई महिला की जिंदगी

मृतका के मायका रघवाचक व ससुराल मंझयांवा में फैला मातम

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : अंधविश्वास और इलाज में हुई देरी ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के मंझयांवा गांव में मंगलवार देर शाम सर्पदंश की शिकार 24 वर्षीय प्रियंका कुमारी की मौत हो गई। वह अपने पीछे दो मासूम बेटे और बेटी को छोड़ गई हैं। घटना के बाद गांव सहित मृतका के मायके रघवाचक और ससुराल मंझयांवा में मातम पसरा हुआ है।परिजनों ने बताया कि प्रियंका कुमारी, पति रणजीत यादव, मंगलवार शाम घर के बाहर किसी काम से निकली थीं। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। परिजनों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने के लिए स्थानीय ओझा के पास पहुंच गए। करीब एक घंटे तक चले इस अंधविश्वासी उपचार के दौरान सांप का जहर शरीर में फैलता गया और उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई।

जब स्थिति गंभीर हो गई तो परिजन उन्हें फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया। हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में प्रियंका ने दम तोड़ दिया। महिला की असमय मौत से दो मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। महिला की मौत से ससुराल और राघवाचक गांव स्थित मायके में कोहराम मच गया। परीक्षणों के बीच चीख मच गई। इस घटना से दोनों गांव में शोक व मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर झड़ फूंक की बजाय उसे समय पर इलाज कराया जाता तो शायद उसकी जान बच जाती।

साइकिल से तय की सफलता का सफर, फतेहपुर की स्वीटी ने चार सरकारी नौकरियों में लहराया परचम

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हो तो मंजिल खुद रास्ता बना लेती है। फतेहपुर प्रखंड के हेमतपुर गांव की बेटी स्वीटी कुमारी ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसने अपने अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर एक के बाद एक चार सरकारी नौकरियों में सफलता हासिल कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।हेमतपुर गांव निवासी सुरेश कुमार की पुत्री स्वीटी ने सफलता की शुरूआत होमगार्ड में चयन से की। इसके बाद बिहार पुलिस चालक (ड्राइवर) भर्ती में सफलता प्राप्त की। वहीं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की शारीरिक दक्षता परीक्षा भी उत्तीर्ण की। अब बिहार पुलिस में चयनित होकर उसने अपने सपनों को नई उड़ान दी है। स्वीटी की सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष छिपा है। वह प्रतिदिन

अपने गांव हेमतपुर से लगभग 10 किलोमीटर साइकिल चलाकर फतेहपुर स्थित अचीवर प्वाइंट कोचिंग संस्थान में तैयारी करने पहुंचती थी। आर्थिक और संसाधन संबंधी चुनौतियों के बावजूद उसने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रही।उसकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बुधवार को अचीवर प्वाइंट फतेहपुर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान की ओर से स्वीटी कुमारी एवं उनकी मां को सम्मानित कर उनके संघर्ष और सफलता को नमन किया गया।इस अवसर पर संस्थान के निदेशक अरविंद लाल आडवाणी एवं जितेंद्र कुमार ने कहा कि स्वीटी की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि मेहनत, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। स्वीटी की उपलब्धि यह संदेश देती है कि कठिन परिस्थितियां भी उन लोगों का रास्ता नहीं रोक सकतीं, जिनके सपने बड़े और इरादे मजबूत होते हैं।

बिहार में राजद 25 से घटकर पांच सीटों पर सिमट जाएगी : डॉ संतोष

तेजस्वी के द्वारा मुख्यमंत्री पर की गई बयानबाजी की निंदा करते हुए मंत्री संतोष सुमन ने दी प्रतिक्रिया

गया जी(एजेंसी) : बिहार सरकार के लघु जल सिंचाई मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह अभी राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हैं और उन्हें सार्वजनिक जीवन में बोलने की सही शैली भी सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने दावा किया कि यदि यही स्थिति बनी रही तो राजद आने वाले समय में 25 सीटों की जगह केवल 5 सीटों तक सिमट सकती है।बुधवार को शहर के गोदावरी स्थित कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री डॉ सुमन ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं। लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और असंसदीय भाषा का प्रयोग चिंता का विषय है। उन्होंने सम्राट चौधरी को चीफ मिनिस्टर की जगह चीप मिनिस्टर कहे जाने वाले बयान की घोर निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया। तेजस्वी यादव ने पिछले दिन अपनी मां राबड़ी देवी को सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस मिलने और उनके परिवार की सुरक्षा में कटौती को लेकर चल रहे विवाद के बाद इस तरह का बयान बाजी दिया था।डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने जंगलराज से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के नेतृत्व में सम्राट चौधरी इन विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री ने विश्वास जताया कि सभी सहयोगी दल मिलकर बिहार को विकसित राज्य बनाने और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार सुशासन, सुरक्षा और विकास के एजेंडे पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है।

बहादुरगंज में 66.23 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, 16 लाख की मादक सामग्री बरामद

किशनगंज, (एजेंसी) : जिले में नवगठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने बहादुरगंज थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 66.23 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 16 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 52,520 रुपये नकद, दो डिजिटल तराजू और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

बुधवार की शाम एसडीपीओ कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ-1 खुसरो सिराज ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बहादुरगंज थाना क्षेत्र के चुड़ीपट्टी अफसाना रोड निवासी शाहनवाज अपने घर में स्मैक का भंडारण कर उसकी खरीद-बिक्री कर रहा है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की गई।

एसडीपीओ-वन खुसरो सिराज के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मंगलवार की रात आरोपी के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने 66.23 ग्राम स्मैक बरामद किया।इसके अलावा मादक पदार्थों की तौल और बिक्री में उपयोग किए जाने वाले दो डिजिटल तराजू, 52,520 रुपये नकद तथा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। मौके से शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद नकदी को मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित राशि माना जा रहा है। जब्त मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस अब स्मैक के स्रोत और इसकी सप्लाई चेन की गहन जांच में जुट गई है।

इसके तहत तस्करी के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, जिससे पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जा सके। एसडीपीओ ने बताया कि मामले में बहादुरगंज थाना में कांड दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की धारा 8(सी) एवं 21(बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशा कारोबार के खिलाफ चल रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

संपादकीय

10 करोड़ गरीब महिलाओं पर कुठाराघात

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उज्ज्वला योजना जिसका प्रचार-प्रसार देश और विदेश तक मोदी सरकार ने किया था अब इस योजना में सरकार लगातार कटौती करती चली जा रही है। इसको लेकर मोदी सरकार के प्रति एक नई अवधारणा बनना शुरू हो गई है, जिसमें यह कहा जा रहा है जिस योजना को सरकार अपनी सफलता के मानदंड में पिछले एक दशक से 10 करोड़ महिलाओं को सब्सिडी के गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की बात कर रही थी इस योजना में 1 वर्ष में पहले 12 सिलेंडर देने की व्यवस्था थी उसे घटाकर 9 किया गया फिर 6 किया गया और अब सरकार ने चार सिलेंडर देने का निर्णय किया है। उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब महिलाओं का पंजीयन है। 642 रुपए प्रति सिलेंडर में इन्हें 14 किलो का सिलेंडर मिल रहा था जो अब 12 से घटकर चार पर आ गया है। सरकार इसमें 25000 करोड़ रुपए की सब्सिडी को कम करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय-समय पर गरीब महिलाओं की आंखों में आंसू नहीं आएं इसके लिए उज्जवला योजना का प्रचार सारे देश में, हर चुनाव में करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में जब सरकार ने मनरेगा योजना को अभी बंद करके रखा है इसी बीच उज्ज्वला योजना के सिलेंडर घटा कर सबसे गरीब महिलाओं के ऊपर कुठाराघात किया है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर तीव्र कटाक्ष करते हुए सरकार को निशाने पर लिया है। कांग्रेस का कहना है मोदी सरकार गरीबों का निवाला छिनती चली जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वह पूंजीपतियों को लगातार राहत पहुंचा रही है। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी में जो एक्साइज ड्यूटी घटाई है इसका लाभ कंपनियों को मिला है। उपभोक्ताओं से लगातार डीजल-पेट्रोल, एलपीजी के बड़े हुए दाम वसूल किये जा रहे हैं। अब तो हद हो गई है, पहले केंद्र सरकार ने मनरेगा को बंद किया, अब इसके बाद उज्ज्वला योजना के तहत जो एलपीजी सिलेंडर सब्सिडी के दाम पर 10 करोड़ गरीब महिलाओं को मिल रहे थे अब उन महिलाओं को आर्थिक संकट में इस सरकार ने डाल दिया है। कांग्रेस ने इसे बहुत बड़ा मुद्दा बना लिया है। सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। उसमें उज्ज्वला योजना के तहत यदि सरकार गरीब महिलाओं को नाराज कर सकती है तो यह भी कहा जा रहा है, सरकार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। बीच में सोना बेचने की भी खबर आई थी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई, लेकिन जिस तरह से सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर आए दिन नए-नए समाचार सुनने को मिल रहे हैं उसको देखते हुए अब सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं।

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।
: विलियम शेक्सपियर

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।
: जॉर्ज वीनवर्ग

मोदी युग मे जनविश्वास,सुशासन और विकसित भारत की स्वर्णिम यात्रा

10 जून 2026 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिवस के रूप में दर्ज हो गया है,जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबी अवधि तक लगातार देश की सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए। 4,399 दिनों की निरंतर सेवा के साथ उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल एक राजनीतिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास, नेतृत्व की स्वीकार्यता और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की एक सशक्त अभिव्यक्ति है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ जनता ही सर्वोच्च है।यहाँ सत्ता का वास्तविक आधार केवल चुनावी जीत नहीं,बल्कि जनता के मन में स्थापित विश्वास होता है। कोई भी नेता लंबे समय तक जनता का समर्थन तभी प्राप्त कर सकता है जब उसकी नीतियां जनकल्याणकारी हों,उसकी नीयत स्पष्ट हो और उसके निर्णय राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हों।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह ऐतिहासिक उपलब्धि इसी जनविश्वास की कहानी कहती है।

जब नेतृत्व में नीयत साफ हो।
जब संकल्प राष्ट्रहित का हो॥
तब इतिहास केवल लिखा नहीं जाता।बल्कि नई पीढ़ियों के लिए गढ़ा जाता है। ॥

एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचने की नरेंद्र मोदी की यात्रा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और संभावनाओं का जीवंत उदाहरण है।संगठन के एक समर्पित कार्यकर्ता से लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री तक का उनका सफर संघर्ष,अनुशासन और निरंतर कर्म की प्रेरक गाथा है।यही कारण है कि देश की जनता ने उन्हें बार-बार अपना विश्वास प्रदान किया है।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने स्वयं को प्रधान सेवक कहा था।उस समय इसे एक राजनीतिक अभिव्यक्ति माना गया था, लेकिन बीते बारह वर्षों में यह शासन की एक कार्यशैली के रूप में उभरकर सामने आई।गरीब,वंचित, किसान, महिला,युवा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की अवधारणा शासन का प्रमुख आधार बनी।पिछले बारह वर्षों में भारत में कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार अभूतपूर्व स्तर पर देखने को मिला है।करोड़ों परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। गाँव-गाँव तक बिजली पहुंची। उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली।जल जीवन मिशन के जरिए घरों तक नल से जल पहुंचाने का प्रयास किया गया।शौचालय निर्माण अभियान ने ग्रामीण भारत में सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी बदलाव की नई शुरूआत की।

जनधन योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) ने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुँचाया,जिससे भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका में कमी आई।मुफ्त राशन योजना ने संकट के समय करोड़ों परिवारों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की।आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच उपलब्ध कराया।

जिस घर में पहली बार उजियारा पहुँचा ।
जिस आंगन में सम्मान का दीप जला ।वहीं से विकसित भारत का सपना जन-जन के विश्वास में ढलता चला ॥

गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और आर्थिक अवसरों के विस्तार ने करोड़ों लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में भूमिका निभाई है। यह केवल सरकारी आंकड़ों का विषय नहीं,बल्कि उन परिवारों की वास्तविक कहानी है जिन्होंने पहली बार विकास को अपने जीवन में महसूस किया।

युवा शक्ति को भारत की सबसे बड़ी पूंजी मानते हुए सरकार ने कौशल विकास,नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया। स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने युवाओं के लिए नए अवसर पैदा किए।आज भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। डिजिटल भुगतान, फिनटेक और नवाचार के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक पहचान बनाई है।

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।चंद्रयान मिशन की सफलता ने विश्व मंच पर भारत की वैज्ञानिक क्षमता का परिचय दिया। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना। यह उपलब्धि केवल वैज्ञानिक सफलता नहीं,बल्कि आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर भारत की पहचान भी है।

युवा हाथों में जब नवाचार हो ।
विज्ञान में जब आत्मविश्वास हो ॥
तब चंद्रमा की दूरी भी कम लगती हो। और भारत विश्व का विश्वास बनता है ॥ महिला सशक्तिकरण प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल का एक महत्वपूर्ण आयाम रहा है।उज्ज्वला योजना, मातृत्व लाभ, मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों का विस्तार और लखपति दीदी अभियान जैसे कार्यक्रमों ने महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को नए आयाम देने वाला कदम माना जा रहा है।महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार बनाने की सोच ने सामाजिक परिवर्तन की नई दिशा दिखाई है।गाँवों से लेकर शहरों तक आज महिलाएं उद्यमिता,शिक्षा, प्रशासन और राजनीति में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की अर्थव्यवस्था का आधार किसान हैं।इसी सोच के साथ किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार,न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, कृषि तकनीक को बढ़ावा और कृषि निर्यात में वृद्धि जैसे कदमों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है।पशुपालकों और मछुआरों को भी किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं से जोड़ा गया।कृषि क्षेत्र में विविधीकरण और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया गया। यह ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एक प्रमुख विशेषता बड़े और कठिन निर्णय लेने की क्षमता रही है। ऐसे अनेक विषय,जो दशकों से राजनीतिक चर्चा का हिस्सा थे लेकिन निर्णय की प्रतीक्षा में थे, उन्हें अमल में लाया गया।जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का निर्णय हो, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करना हो,वन रैंक वन पेंशन योजना हो या तीन तलाक के विरुद्ध कानून–इन सभी ने शासन की निर्णायक शैली को रेखांकित किया।समर्थकों के अनुसार इन फैसलों ने प्रशासनिक और संवैधानिक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाया,जबकि आलोचकों ने इनके विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न भी उठाए।किंतु यह निर्विवाद है कि इन निर्णयों ने भारतीय राजनीति में निर्णायक नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत की नीति में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई दिया।आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई,सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रश्न पर किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।सीमापार आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सक्रिय नीति ने वैश्विक स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया।उत्तर-पूर्व में शांति समझौतों, नक्सलवाद के प्रभाव में कमी और सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की है।

सीमा सुरक्षित, संकल्प अटल, ।
राष्ट्रहित सर्वोपरि का मंत्र प्रबल।।
शक्ति और शांति का संगम बनकर
भारत बढ़ रहा है नए संबल के साथ।।

आर्थिक मोर्चे पर आत्मनिर्भर भारत अभियान ने एक नई सोच को जन्म दिया। कोविड महामारी और वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने आत्मनिर्भरता को विकास का आधार बनाने का प्रयास किया। मेक इन इंडिया,उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, सेमीकंडक्टर निर्माण,हरित ऊर्जा और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश ने देश को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और भारत को उत्पादन,निवेश तथा नवाचार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखा जा रहा है।वैश्विक मंचों पर भी भारत की भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली हुई है।जी-20 की सफल अध्यक्षता ने भारत की कूटनीतिक क्षमता का परिचय दिया।ग्लोबल साउथ की आवाज को वैश्विक मंच पर स्थान दिलाने का प्रयास भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका को दशार्ता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता मिलना भारतीय सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है।जलवायु परिवर्तन,सतत विकास और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की पहलें भी विश्व समुदाय में सराही गई हैं।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बाल संरक्षण एवं बाल श्रम उन्मूलन की राजनैतिक गंभीरता

आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में राजनैतिक दलों के चुनाव घोषणापत्र केवल नीतिगत प्रतिज्ञाएं नहीं होते, अपितु वे उस वैचारिक और राजनैतिक दिशा के दर्पण होते हैं, जिस ओर कोई दल राष्ट्र को ले जाना चाहता है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और उसकी सामाजिक न्याय की अवधारणा इस बात से आंकी जाती है कि वह अपने सबसे असुरक्षित और मूक वर्ग अर्थात बच्चों के प्रति कितना संवेदनशील है? वर्तमान समय में, जब देश विभिन्न चुनावों के चक्रव्यूह से गुजर रहा है, राजनैतिक दलों के घोषणापत्रों का एक अनुसंधानात्मक और निष्पक्ष विश्लेषण अत्यंत आवश्यक हो जाता है। राजनैतिक दलों के घोषणापत्रों का यदि सूक्ष्म और संरचनात्मक विश्लेषण किया जाए, तो सबसे पहली विसंगति प्राथमिकताओं के चयन में दिखाई देती है। घोषणापत्र मूलतः एक राजनैतिक विपणन का साधन बन चुके हैं, जिनका उद्देश्य लोकलुभावन वादों के माध्यम से तात्कालिक रूप से मतों का ध्रुवीकरण करना होता है। बच्चे चूंकि मतदान नहीं कर सकते, इसलिए वे किसी भी राजनैतिक दल के लिए प्रत्यक्ष वोट बैंक नहीं हैं। यही कारण है कि घोषणापत्रों का लगभग 95% प्रतिशत भाग उन योजनाओं से भरा होता है, जो वयस्क मतदाताओं को सीधे प्रभावित करती हैं, जैसे नकद राशि का हस्तांतरण, मुफ्त बिजली-पानी, या विशिष्ट वर्गों के लिए भत्ते। बाल संरक्षण, बाल तस्करी की रोकथाम, और बाल श्रम का समूल उच्छेदन जैसे गंभीर विषय घोषणा पत्रों के अंतिम पृष्ठों पर, केवल कुछ औपचारिक वाक्यों या पैराग्राफों में समेट दिए जाते हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राजनैतिक दलों के लिए बचपन एक राजनैतिक प्राथमिकता नहीं, बल्कि केवल एक नैतिक औपचारिकता है।

वर्तमान राजनैतिक घोषणापत्रों में बाल श्रम और बाल संरक्षण को लेकर प्रयुक्त की जाने वाली भाषा का गहन अध्ययन किये जाने से यह स्पष्ट होता है कि उसमें एक गहरी चालाकी और अस्पष्टता दिखाई देती है। दलों के घोषणापत्रों में अक्सर ह्लहम बाल श्रम के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाएंगेह्व या ह्लसभी बच्चों को सुरक्षित बचपन दिया जाएगाह्व जैसे लुभावने मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। किंतु इन वादों के पीछे का यथार्थ अत्यंत खोखला होता है। बजटीय रोडमैप का सर्वथा अभाव होता है। किसी भी राजनैतिक वादे की प्रामाणिकता इस बात से सिद्ध होती है कि उस वादे को पूरा करने के लिए बजट का क्या प्रावधान किया गया है? वर्तमान समय के किसी भी प्रमुख दल के घोषणापत्र में यह स्पष्ट नहीं किया जाता कि वे बाल संरक्षण कल्याण बोर्डों, बाल श्रम पुनर्वास केंद्रों, और जिला बाल संरक्षण इकाइयों के सुदृढ़ीकरण के लिए सकल घरेलू उत्पाद या राज्य के बजट का कितना प्रतिशत आवंटित करेंगे? बिना वित्तीय रीढ़ के किए गए ये वादे केवल कागजी हवाई किले सिद्ध होते हैं। बाल श्रम को रोकने के लिए देश में प्रशासनिक और विधिक तंत्र तो मौजूद है, किंतु वह पूरी तरह से मैनपावर अर्थात कर्मचारियों की कमी और राजनैतिक हस्तक्षेप से पंगु है। घोषणापत्र इस बात पर पूरी तरह मौन रहते हैं कि श्रम निरीक्षकों की रिक्तियों को कैसे भरा जाएगा? भ्रष्ट अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय होगी? और जमीनी स्तर पर बाल कल्याण समितियों को स्वायत्तता कैसे दी जाएगी? वर्तमान राजनैतिक दल एक ओर अपने घोषणापत्रों में औद्योगिक विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, और विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा देने के बड़े-बड़े वादे करते हैं, किंतु वे इस विकास के पीछे छिपे बाल श्रम के स्याह पक्ष को जानबूझकर नजरअंदाज कर देते हैं। देश का एक बहुत बड़ा आर्थिक ढांचा अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों, जैसे ईंट-भट्ठे, लघु कृषि, घरेलू उद्योग, होटल और कचरा बीनने वाले क्षेत्र, पर टिका हुआ है। इन क्षेत्रों में उत्पादन लागत को कम रखने के लिए बच्चों के सस्ते श्रम का बड़े पैमाने पर शोषण किया जाता है। राजनैतिक दल इन क्षेत्रों के संघों और मालिकों से चुनावी चंदा और समर्थन प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि घोषणापत्रों में इन अनौपचारिक क्षेत्रों में श्रम कानूनों को कड़ाई से लागू करने का साहस कोई भी दल नहीं दिखाता। श्रम कानूनों में पूर्व में किए गए संशोधनों के तहत बच्चों को स्कूल के बाद अपने पारिवारिक व्यवसायों में सहायता करने की अनुमति दी गई है। इस क्लॉज (धारा) ने देश में बाल श्रम को एक नया और वैध मुखौटा दे दिया है, जिसके तहत लाखों बच्चे खेतों, चूड़ी कारखानों और हथकरघा उद्योगों में रात-दिन खट रहे हैं। वर्तमान राजनितिक परिप्रेक्ष्य में यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि किसी भी राजनैतिक दल ने अपने घोषणापत्र में इस विधिक विसंगति को दूर करने या पारिवारिक व्यवसाय की आड़ में होने वाले शोषण को रोकने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है। बाल संरक्षण केवल बाल श्रम तक सीमित नहीं है, इसके अंतर्गत बाल विवाह, बाल तस्करी, मानसिक-शारीरिक शोषण, और अनाथ बच्चों का पुनर्वास भी आता है। वर्तमान राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में इन विषयों पर दलों का रवैया अत्यंत चयनात्मक और लोकलुभावन राजनीति से प्रेरित दिखाई देता है। प्रायः राजनितिक दलों के घोषणापत्रों में बाल संरक्षण का दोहरा चरित्र दिखाई देता है। घोषणापत्रों में यह तो बढ़-चढ़कर लिखा जाता है कि हम गरीब कन्याओं के विवाह के लिए इतनी राशि देंगे या स्कूली बच्चों को मुफ्त साइकिल और गैजेट्स देंगे। ये उपहार निश्चित रूप से आकर्षक लगते हैं, किंतु यह सोचने का विषय है कि जो बच्चा कुपोषण का शिकार है, जो बाल तस्करी के माध्यम से महानगरों के घरेलू श्रम में झोंक दिया गया है, या जो पॉक्सो के मामलों में न्याय के लिए वर्षों से तड़प रहा है, उसके लिए ये उपहार क्या मायने रखते हैं? घोषणापत्रों में त्वरित न्याय के लिए विशेष अदालतों के गठन या बाल तस्करी के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को तोड़ने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं होती। शिक्षा ही बाल श्रम का एकमात्र और अचूक विकल्प है। दल अपने घोषणापत्रों में डिजिटल शिक्षा और विश्वस्तरीय स्कूलों की बात करते हैं, किंतु ग्रामीण और झुग्गी-झोंपड़ी वाले क्षेत्रों में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की जो बदहाल स्थिति है, उसे सुधारने का कोई ईमानदार संकल्प नहीं दिखता। जब सरकारी स्कूल केवल मिड डे मील बांटने के केंद्र बनकर रह जाते हैं और वहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लोप हो जाता है, तो गरीब माता-पिता बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय काम पर भेजना अधिक व्यावहारिक समझने लगते हैं। घोषणापत्र इस बुनियादी विफलता को स्वीकार करने का साहस नहीं दिखाते।

वर्तमान राजनैतिक घोषणापत्रों की इस समीचीन समीक्षा से यह शाश्वत सत्य उभरकर सामने आता है कि बाल संरक्षण और बाल श्रम उन्मूलन के प्रति राजनैतिक दलों की गंभीरता केवल एक रणनीतिक मुखौटा है, जिसके पीछे गहरा नीतिगत खोखलापन छिपा है। राजनीति जब तक केवल पांच वर्षों के चुनावी लाभ-हानि के गणित से संचालित होती रहेगी, तब तक देश के बच्चों को उनका खोया हुआ बचपन वापस नहीं मिल सकता। यदि राजनैतिक दल वास्तव में इस कलंक को मिटाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने घोषणापत्रों में खोखली शब्दावली के स्थान पर तीन प्रतिज्ञाएं अनिवार्य रूप से शामिल करनी होंगी। पहली- बाल कल्याण के लिए एक गैर परिवर्तनीय और सुरक्षित बजटीय गारंटी, दूसरी- बाल श्रम कानून के उल्लंघनकताओं को बिना किसी राजनैतिक संरक्षण के कठोरतम राजदंड और तीसरी- देश के प्रत्येक बच्चे के लिए एकसमान, सुरक्षित और सम्मानजनक बुनियादी शिक्षा का अधिकार। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक घोषणापत्रों में छपने वाले बच्चों के मुस्कुराते हुए चित्र केवल एक क्रूर राजनैतिक छलावा ही बने रहेंगे। राष्ट्र का वास्तविक विकास इस बात से तय होगा कि उसके कारखानों की भट्टियां शांत हों और विद्यालयों के प्रांगण बच्चों की खिलखिलाहट से गुंजायमान हों।

अशोक प्रवृद्ध
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पाकिस्तानी सेना की बर्बरता पर संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठन मौन क्यों हैं?

पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के नागरिक लंबे समय से सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करते आ रहे हैं किंतु पाकिस्तानी सरकार अपने कब्जे वाले कश्मीरी क्षेत्र के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के बजाय सेना के दमन चक्र से वहाँ के नागरिकों की हत्याएँ करती आई है। पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा वर्षो से अधिकृत कश्मीरी लोगों को जबरन जेलों में बंद कर प्रताड़ित किया जाता है, उनके घरों की महिलाओं और बच्चियों की अस्मिता लूटी जाती है और विरोध के बदले मौत दी जाती है। अभी हाल ही में पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों द्वारा मुजफ्फराबाद में जीवनोपयोगी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु पाकिस्तानी हुकूमत से माँग की जा रही थी। पाकिस्तानी सेना को हर बार की तरह इस बार भी कश्मीरियों की माँग नागवार गुजरी और सेना प्रमुख मुनीर के इशारे पर बर्बरतापूर्वक शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कश्मीरी लोगों पर अंधाधुंध गोलाबारी की गई, जिसमें सौ से भी अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है।

विडंबना यह है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार कश्मीर का मुद्दा उठाकर दुनिया की सहानुभूति प्राप्त करने का प्रयास करता है, लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की वास्तविक समस्याएँ अक्सर वैश्विक विमर्श का हिस्सा नहीं बन पातीं। वहाँ के नागरिकों को आज भी बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह स्थिति पाकिस्तान के दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करती है। हकीकत यह है कि पाक अधिकृत कश्मीरी लोगों के जीवन को पाकिस्तानी सेना और उसकी हुकूमत ने नारकीय बना दिया है। दुनिया में मानवता की दुहाई देने वाले अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र संघ, अन्य वैश्विक संगठनों, इस्लाम के नाम पर दुनिया भर में मुसलमानों की वकालत करने वाले मौलानाओं और बात बात पर मानवता की दुहाई देने वाले मानवाधिकार संगठनों के लोगों को पाक अधिकृत कश्मीरियों पर हो रही बर्बरता क्यों नहीं नजर आती है? क्यों हर बार अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार आयोग के लोग और मौलाना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की मौत पर चुप्पी साध लेते हैं?

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के देशों और दुनिया भर के मुसलमानों के मसीहा बनने वाले ठेकेदारों द्वारा मुजफ्फराबाद में दर्जनों निर्दोष लोगों की मौत पर अफसोस जताकर पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की आवाज क्यों नहीं उठाई जाती है? पाक अधिकृत कश्मीरियों के दर्द को दुनिया के चौधरी बनने वाले अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ के देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखने का साहस क्यों नहीं कर पाते हैं? अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चाहिए कि वह किसी भी क्षेत्र में मानवाधिकारों के प्रश्न पर दोहरे मापदंड न अपनाए। यदि दुनिया वास्तव में मानवाधिकारों, लोकतंत्र और न्याय के सिद्धांतों में विश्वास करती है, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की आवाज को भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए। वहां की परिस्थितियों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि दुनिया वास्तव में मानवाधिकारों, लोकतंत्र और न्याय के सिद्धांतों में विश्वास करती है, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की आवाज को भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए। वहां की परिस्थितियों का निष्कर्ष मूल्यांकन होना चाहिए और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

पाक अधिकृत कश्मीर जैसी किसी छोटी-सी घटना में यदि एक भी नागरिक भारतीय पुलिस या सेना द्वारा मारा जाता, तो भारत सरकार और उसकी सेना के विरोध की गूँज संयुक्त राष्ट्र संघ, मानवाधिकार आयोग और दुनिया भर के देशों में सुनाई देती। यही अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ के देश दुनिया भर में भारत विरोधी माहौल पैदा कर देते और यही मानवाधिकार संगठन भारत पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते फिरते। भारत लंबे समय से यह कहता आया है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों को भी वही अधिकार और अवसर मिलने चाहिए जो किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को प्राप्त होते हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी बनती है कि वह क्षेत्र के लोगों के हितों को प्राथमिकता दे और किसी भी प्रकार के मानवाधिकार उल्लंघन पर निष्पक्ष तथा संतुलित दृष्टिकोण अपनाए।

कश्मीर का प्रश्न केवल भू राजनीति का विषय नहीं है, बल्कि वहाँ रहने वाले लाखों लोगों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर मानवता, न्याय और नागरिक अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को भय, असुरक्षा और अभाव से मुक्त जीवन मिल सके इसलिए भारत सरकार का पाकिस्तान अधिकृत कश्मीरी लोगों पर पाकिस्तानी फौज द्वारा की गई बर्बरता पर दर्द जताना जायज है, लेकिन भारत के इस दर्द से न तो पाकिस्तान और न ही संयुक्त राष्ट्र के देशों के कानों पर जूँ रेंगती है।

अतः भारत सरकार को कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, इस सत्य को अब साकार करने का जिम्मा भारतीय सेना को देकर हमेशा-हमेशा के लिए कश्मीरियों को इस दर्द से मुक्ति दिलाने का ऐतिहासिक कदम उठाना होगा, ताकि पाकिस्तान के कश्मीरी राग का स्थायी अंत हो सके और गुलाम कश्मीरी लोगो भारतीय बनकर शांति, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सके।

अरविंद रावल
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7539

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7538 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

दैनिक पंचांग

11 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.35 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.48 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.04 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.16 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.27 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.42 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.49 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मीन	00.22 बजे से
		मेष	01.53 बजे से
		वृष	03.33 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 162 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 22.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 08.17 बजे को समाप्त।
योग शोभन 01.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 11.53 बजे तदनन्तर बालव 22.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872737
जूलियन दिन 2461202.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 25
विशेष कमला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त

नेपाल : 'फिर खुलेगी 2001 के शाही हत्याकांड की फाइल', दोबारा गृह मंत्री पदभार संभालते ही गुरुंग ने किया एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के नए गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 2001 के शाही हत्याकांड से जुड़ी फाइल को फिर से खोलेंगे, जिसमें तत्कालीन राजा वीरेंद्र शाह के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी। पदभार संभालने के बाद गुरुंग ने यह घोषणा की। एक जून 2001 को नेपाल के नारायणहिटी शाही महल में शुक्रवार के रात्रिभोज के दौरान राजा शाह के परिवार के सभी सदस्य मारे गए थे, जिनमें रानी ऐश्वर्या और युवराज दीपेंद्र शामिल थे। एक आधिकारिक जांच आयोग की रिपोर्ट में कहा गया था कि उस समय के युवराज ही इस हत्याकांड के जिम्मेदार थे। रिपोर्ट के अनुसार, शराब के प्रभाव में दीपेंद्र ने कथित रूप से पिता, माता, भाई, बहन और अन्य परिवार के सदस्यों को गोली मार दी। बाद में खुद को भी मार लिया था। कई लोगों ने उस समय इस रिपोर्ट को खारिज किया था। गुरुंग ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद जांच फिर से शुरू करने की घोषणा की। वह पहले कैबिनेट में वित्तीय अनियमितताओं और अवैध संपत्ति के आरोपों के कारण इस्तीफा दे चुके थे। लेकिन सरकार की ओर से गठित जांच समिति ने उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिससे उनकी फिर से नियुक्ति संभव हुई।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है। तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।

भारतीय मूल के छात्रों का एआई में जलवा, व्हाइट हाउस में कई ने जीता राष्ट्रीय सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में पहले प्रेसिडेंशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैलेंज नेशनल चैंपियन अवॉर्ड्स प्रदान किए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय मूल के कई छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल किया। वर्जीनिया के एल्डी शहर की पांच सदस्यीय टीम, जिसमें आरना जायसवाल, ईशानी खत्री, रीवा मड्डा, साम्हिता पिन्नामारेड्डी और सनुली रत्नायके शामिल थीं, ने एलिमेंट्री स्कूल ट्रैक-2 श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। टीम ने स्कूलों में बदमाशी (बुलिंग) की घटनाओं को रोकने के लिए 'फ्रेंडजोन चैटबॉट बुलिंग प्रिवेंशन ऐप' विकसित किया। वहीं, वॉशिंगटन राज्य के सम्मामिश स्थित नॉर्थस्टार मिडिल स्कूल के छात्रों विहा अय्यर, आर्य प्रताप और श्रीमयी शेट्टी ने अपने प्रोजेक्ट 'स्किलअप' के लिए मिडिल स्कूल ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। हाई स्कूल वर्ग में पेनसिल्वेनिया के अपर डार्बी सीनियर हाई स्कूल के छात्र खंडाकर माहिन ने ट्रैक-1 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता। उनका प्रोजेक्ट 'आपराधिक जांच में होटल के कमरों की पहचान के लिए कंप्यूटर विजन का उपयोग' विषय पर आधारित था। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने छात्रों की सराहना की और उन्हें अमेरिका का भविष्य बताया। उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस में नवाचार से भरपूर इस प्रतिभाशाली समूह का स्वागत करना बेहद सुखद है। मुझे गर्व है कि आप अमेरिका की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप ही हमारा भविष्य हैं।' प्रेसिडेंशियल एआई चैलेंज में अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, प्यूर्टो रिको और विदेशों में स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं।

अमेरिका-ईरान के बीच टूटा युद्धविराम, यूएस ने तेहरान पर दागीं मिसाइलें; आईआरजीसी ने दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्धविराम टूट गया है। सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका बुरी तरह से ईरान पर भड़क गया है और अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं आईआरजीसी ने भी एक बयान जारी कर रहा है कि वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

रडार और एयर डिफेंस पर हमला : अमेरिकी हमलों में मुख्य रूप से होर्मुज के आसपास मौजूद कई ईरानी एयर डिफेंस और रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि केशम द्वीप पर छह बड़े धमाकों की भयंकर आवाजें सुनाई दी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह भीषण अटैक ड्रोन से नहीं बल्कि लड़ाकू विमानों से किया गया है। बंदर अब्बास और सिरिक में भी भारी प्रोजेक्टाइल के टकराने की आधिकारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी हमलों के जवाब में अब ईरान ने भी अमेरिकी बेसों पर अपना सीधा हमला शुरू करने का बड़ा दावा किया है। ईरान की टॉप जॉइंट मिलिट्री कमांड खतम अल-अंबिया ने कहा कि दक्षिणी ईरान में अमेरिकी आक्रामकता का जवाब दिया गया है। उन्होंने इलाके में मौजूद कुछ अहम अमेरिकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार जास्क इलाके में भी लगातार बड़े धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

पायलटों का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन : राहत की बात यह है कि दुर्घटनाग्रस्त अपाचे हेलिकॉप्टर के दोनों पायलटों को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। इन दोनों पायलटों का रेस्क्यू ड्रोन की मदद से बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया था। लेकिन ट्रंप के अनुसार यह हमला जानबूझकर किया गया था और इसका बदला जरूर लिया जाएगा। अमेरिका ने कहा है कि उनका यह वर्तमान सैन्य मिशन अब पूरी तरह से सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिका को बहुत ही सख्त और सीधी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी ताकतवर सेना किसी भी बाहरी हमले या खतरे का जवाब दिए बिना बिलकुल नहीं छोड़ेगी। अराघची ने कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारे इलाके से तुरंत चले जाएं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का कहना है कि ये हमले ईरान को सिर्फ एक बड़ी चेतावनी देने के लिए हैं। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सेना वाले सैन्य अड्डे पर हमला किया; हालांकि, अभी तक जॉर्डन और अमेरिका की ओर से इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान हमलों के खिलाफ कुवैत की जवाबी कार्रवाई : ईरान के इस एलान के बाद कि उसने अमेरिकी हवाई हमलों का बदला लेने के लिए पश्चिम एशिया के इस देश को निशाना बनाया है, कुवैत का कहना है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर दागीं मिसाइलें, आईआरजीसी ने जवाबी हमले की धमकी दी ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि अमेरिका के हमलों के जवाब में अमेरिकी सेना की बहरीन में मौजूद पांचवीं फ्लीट पर ड्रोन हमला किया गया है। आईआरजीसी ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे तो वे भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। वहीं अमेरिका ने हमले रोकने के संकेत दिए हैं और कहा है कि ईरान पर हमले आत्मरक्षा में किए गए और अब हमले पूरे हो गए हैं।

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई : 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके चलते ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और खाद्य पदार्थों समेत कई आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। हालांकि अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है। इस बीच, इस्राइल ने लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

टूटने के कगार पर पहुंचा ईरान-अमेरिका युद्धविराम : यह घटना ऐसे समय हुई है जब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर पहले से ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक दिन पहले ही ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू होने के बाद पहली बार दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए थे। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, इस्राइली हमलों में ईरान की वायु रक्षा इकाइयों के कम से कम दो सदस्य मारे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, उनका अपाचे हेलिकॉप्टर ओमान के तट के निकट उस समय गिर गया, जब वह एक ईरानी ड्रोन से टकरा गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह टक्कर जानबूझकर कराई गई थी।

नॉर्डिक-बाल्टिक सम्मेलन

एस्टोनिया पहुंचे वोलोदिमिर जेलेंस्की, रूस पर दबाव बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

ताल्लिन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की मंगलवार को एस्टोनिया पहुंचे। वह यहां नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और एस्टोनियाई समकक्ष अलार कारिस से मुलाकात करेंगे। एस्टोनिया के सरकारी प्रसारक ईआरआर ने यह जानकारी दी।

एस्टोनिया की राजधानी ताल्लिन में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय एस्टोनिया एनबी8 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। एनबी8 में पांच नॉर्डिक और तीन बाल्टिक देश शामिल हैं। सम्मेलन में इन देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ जेलेंस्की भी शामिल हुए हैं।

जेलेंस्की के साथ उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का भी एस्टोनिया पहुंची हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्रालय ने स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट की। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब यूक्रेनी ड्रोन हमलों को लेकर इलाके में तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कई यूक्रेनी ड्रोन गलती से इस क्षेत्र में पहुंचे हैं। वहीं, यूक्रेन ने बाल्टिक सागर के उन बंदरगाहों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां से रूस तेल का निर्यात करता है। यूक्रेन चाहता है कि इन हमलों से रूस को आर्थिक नुकसान हो और उस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़े। रूसी हमलों में तीन लोगों की मौत दूसरी ओर, रूस ने भी यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं। पूर्वोत्तरी खारकीव क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 25 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने यह जानकारी दी। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में भी रात के समय कई जिलों पर हमले हुए, जिनमें तीन लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने इसकी पुष्टि की। रातभर मार गिराए 146 रूसी ड्रोनः यूक्रेनी वायुसेना यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने रातभर में यूक्रेन पर 166 लंबी दूरी के ड्रोन और दो निर्देशित मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने इनमें से 146 ड्रोन मार गिराए।

रूक्ष के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 140 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। बेलगोरोद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन के एक अपार्टमेंट इमारत से टकराने के कारण एक महिला की मौत हो गई। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा भी ताल्लिन पहुंचे। वहां उन्होंने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गुस साहकना से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन की सुरक्षा, रूस पर दबाव बढ़ाने और यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता की कोशिशों पर चर्चा की। साहकना ने एक्स पर लिखा कि एस्टोनिया यूक्रेन के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक जरूरत होगी।

शी जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौराः सहमति का दावा बड़ा, पर हाथ रहा खाली; नहीं हुआ कोई ठोस समझौता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया की दो दिनी यात्रा पूरी करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के साथ महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचने के दावा किया। हालांकि, दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई।

उत्तर कोरिया की यात्रा के पहले दिन सोमवार को जिनपिंग ने किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया था। यह सात साल बाद जिनपिंग की उत्तर कोरिया की यात्रा थी। दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इन्कार कर दिया। उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है।

बीजिंग के रुख में बदलाव नहीं : उत्तर कोरिया की जिनपिंग की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है।

चीनी प्रवक्ता ने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है, ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और शक्ति का साझा उपयोग किया जा सके। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर जिनपिंग और किम के बीच हुई किसी भी चर्चा का सरकारी मीडिया ने स्पष्ट रूप से कोई उल्लेख नहीं किया है।

बदल जाएगी भाजपा, मोदी सरकार को मिलेंगे नए चेहरे

नितिन नवीन की नई टीम का काउंटडाउन शुरू!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में जल्द ही बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। पार्टी के शीर्ष निकाय यानी संसदीय बोर्ड सहित कई अहम संगठनात्मक टीमों में बदलाव की पूरी तैयारी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 15 जून के बाद नए पदाधिकारियों की टीम की घोषणा की जा सकती है। पार्टी की यह परंपरा रही है कि नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद संगठन में बदलाव किए जाते हैं। इसी कड़ी में, जनवरी में नितिन नवीन के बीजेपी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद से ही नई टीम को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। बुधवार को एनडीए की होने वाली एक बड़ी बैठक के बीच पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि लगभग एक हफ्ते के भीतर नए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान कर दिया जाएगा।

युवा और अनुभव का दिखेगा संगम, इन वर्गों पर होगा फोकस : 45 वर्षीय नितिन नवीन बीजेपी के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। ऐसे में पार्टी आलाकमान संगठन को अधिक युवा और सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाला बनाने पर जोर दे रहा है। माना जा रहा है कि पदाधिकारियों की नई टीम में 'युवा और अनुभव' का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।

आगामी राजनीतिक रणनीतियों को ध्यान में

रखते हुए इस नई टीम में ओबीसी और दलितों जैसे प्रमुख वर्गों पर विशेष फोकस रहने की उम्मीद है।

राज्यों का दौरा कर फीडबैक ले रहे अध्यक्ष : पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन इन दिनों लगातार कई राज्यों का सघन दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वे राज्य की पार्टी इकाइयों से जमीनी फीडबैक जुटाने के साथ-साथ अपनी प्राथमिकताएं भी तय कर रहे हैं। माना जा रहा है कि उनके इन दौरों से मिलने वाला फीडबैक संगठन में होने वाले समग्र बदलावों के लिए बीजेपी आलाकमान के फैसलों में अहम भूमिका निभाएगा।

मोदी कैबिनेट में भी फेरबदल की सुगबुगाहट : पार्टी संगठन में होने वाले इन बदलावों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद में भी फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। गौरतलब है कि पीएम मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे करने जा रहे हैं, जिसे देखते हुए कैबिनेट विस्तार की अटकलें लगाई जा रही हैं। सरकार और संगठन में बदलाव की इन सुगबुगाहटों को हाल के कुछ फैसलों से भी बल मिला है। दो केंद्रीय मंत्रियों- पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमशः उत्तर प्रदेश और दिल्ली में पार्टी की राज्य इकाइयों का प्रमुख बनाकर भेजा गया है। वहीं, जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे नेताओं को पार्टी ने राज्यसभा के लिए दोबारा नामित नहीं किया है। इन हालिया घटनाक्रमों के बाद से राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा है कि जल्द ही सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर बड़ी तब्दीलियां देखने को मिल सकती हैं।

कई चौंकाने वाले नामों को मिल सकती है जगह : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई कोर टीम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित कैबिनेट विस्तार में कई चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं। 15 जून को 'अधिकमास' (मलमास) खत्म होने के बाद जून के अंत तक नए पदाधिकारियों की आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

टीएमसी का कांग्रेस में होगा विलय? 5 साल बाद 10-जनपथ पहुंची ममता

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी दिल्ली दौरे पर हैं। बंगाल में मिली चुनावी हार के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा माना जा रहा है। दौरे के तीसरे दिन उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। पिछले दो दिनों में दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले सोमवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में भी दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी को गले लगाया था। सोनिया गांधी से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब ममता बनर्जी एक बड़े राजनीतिक संकट से जूझ रही हैं। पार्टी में विधायकों के बाद अब सांसदों की नाराजगी भी सामने आ गई है। बताया जा रहा है कि टीएमसी के 20 सांसदों ने एनडीए को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। ममता बनर्जी शनिवार को दिल्ली पहुंची थीं। यहां सबसे पहले उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। मंगलवार को वह

करीब पांच साल बाद सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पहुंचीं। दोनों नेताओं के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई।

सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच किसी बड़े राजनीतिक समझौते या विलय की संभावना बन सकती है। हालांकि, इस संबंध में दोनों दलों के नेताओं ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। दिलचस्प बात यह है कि इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी संगठन से जुड़ी बैठकों के लिए पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में मौजूद थे। ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी को देखते हुए राजनीतिक जानकार विलय की अटकलों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच गर्मजोशी देखने को मिली थी। दोनों नेता एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। बैठक में ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए विपक्षी एकजुटता पर जोर दिया।

बंगाल में आमने-सामने थीं दोनों पार्टियां : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने टीएमसी और ममता बनर्जी पर खुलकर निशाना साधा था। हालांकि चुनाव परिणाम आने के बाद दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नजदीकियां बढ़ती दिखाई दे रही हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस, ममता बनर्जी के लिए किसी राजनीतिक सहारे की भूमिका निभाती है या नहीं।

मां वैष्णो देवी के भक्तों को रेल मंत्री की सौगात

श्रद्धालुओं के लिए कटरा-हरिद्वार के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेल मंत्री ने कटरा और हरिद्वार के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रख कर लिया गया है। श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। जितेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवती अमावस्या के अवसर पर जम्मू और हरिद्वार के बीच विशेष ट्रेन चलाने की मांग को रेल मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है।

पत्र लिखकर विशेष ट्रेन चलाने के लिए किया था अनुरोध : जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि जम्मू और हरिद्वार के बीच विशेष ट्रेन चलाने की लंबे समय से की जा रही मांग को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों से क्षेत्र की लगभग हर महत्वपूर्ण मांग को पूरा किया गया है। उन्होंने आगे लिखा कि कठुआ, हीरानगर और जम्मू के लोगों के लिए यह एक अच्छी खबर है। अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे बड़ी संख्या में तीर्थयात्री हरिद्वार पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले सकेंगे।

दरअसल जितेंद्र सिंह ने 3 जून 2026 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखकर विशेष ट्रेन चलाने की मांग की थी। उन्होंने अपने पत्र की प्रति को सार्वजनिक कर बताया था कि जम्मू-कश्मीर में स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े राज्य कार्यकारी सदस्य प्रेम नाथ डोगरा ने इस संबंध में अनुरोध भेजा था। पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया था कि 14 जून को जम्मू से हरिद्वार और 15 जून को हरिद्वार से जम्मू के लिए विशेष ट्रेन चलाई जाए, ताकि सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार जाने वाले स्थानीय श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा का अनुभव हो। केंद्रीय मंत्री ने रेल मंत्री से इस मांग पर सकारात्मक विचार करने का आग्रह किया था। रेलवे प्रवक्ता के मुताबिक स्पेशल ट्रेन पूरी तरह आरक्षित होगी और इसका केवल एक फेरा ही निर्धारित किया गया है। ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे- जिनमें स्लीपर, जनरल, एसी थ्री-टियर और एसी टू-टियर श्रेणी के डिब्बे शामिल है। इस स्पेशल ट्रेन की स्टॉपेज होंगी- शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन, जम्मू तवी, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना, अंबाला कैंट, सहारनपुर और रुड़की। बता दें कि हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या पर तीर्थयात्रा का विशेष महत्व है। 15 जून 2026 को सोमवती अमावस्या का व्रत रखा जाएगा और स्नान-दान किया जाएगा। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के लिए हरिद्वार जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों पर पहुंचकर दर्शन और पूजा अर्चना करते हैं।

पीओके में प्रोटेस्ट की सजा मौत, चार नेताओं के सिर पर 1 करोड़ का इनाम

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों और हड़ताल के बाद सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच भीषण हिंसक झड़पें हुई हैं। इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला समेत कई लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए हैं। हालात बेकाबू होने के बाद पीओके प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी हैं। प्रदर्शनों को कुचलने के लिए प्रशासन ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के 4 नेताओं की गिरफ्तारी पर एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया है। यह वही संगठन है जिसे पिछले हफ्ते बैन किया गया है और जो इस पूरे इलाके में हो रहे प्रदर्शनों के केंद्र में है। पाकिस्तान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हिंसक झड़प में कई लोगों की मौत : मीरपुर विजन (मीरपुर, भिंबर और कोटली जिले) से

प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर अपना मार्च शुरू किया, जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से उनकी सीधी भिड़ंत हुई। सबसे हिंसक झड़पें कोटली शहर में हुईं। स्थानीय निवासियों और पीओके कैबिनेट के सदस्यों के मुताबिक, इन झड़पों में एक डॉक्टर और एक महिला सहित कई लोगों की जान गई है और दर्जनों लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि एक डॉक्टर अपने घर की छत पर थे, तभी उन्हें गोली लग गई। मीरपुर के बाहरी इलाके में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नेताओं पर देशद्रोह का केस और 1 करोड़ का इनाम : पीओके के गृह विभाग ने जेएएसी नेता शौकत नवाज मीर (मुजफ्फराबाद) और मेहरान अरशद ख्वाजा (मीरपुर) के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए हैं। इन पर अपने भाषणों, वीडियो और ऑडियो के जरिए देशद्रोह फैलाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे चार प्रमुख नेताओं - शौकत नवाज मीर, उमर नजीर कश्मीरी, ख्वाजा मेहरान अरशद और सरदार अमान खान की गिरफ्तारी के लिए 'हेडमनी' के तौर पर 1-1 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। विरोध को दबाने के लिए पूरे पीओके में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे वहां से सही जानकारी बाहर नहीं आ पा रही है। सभी शहरों और कस्बों में पूर्ण हड़ताल है। बैंक, मेडिकल स्टोर और परिवहन पूरी तरह से ठप हैं। मुजफ्फराबाद में दंगा रोधी पुलिस ने सरकारी इमारतों और मुख्य सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। इस बीच, वकीलों ने भी छुष्ट के कोर मेंबर और वरिष्ठ वकील अमजद अली खान की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कामकाज का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया है।

आमिर खान की तीसरी पत्नी बनने जा रही हैं गौरी स्प्रैट

एक्टर आमिर खान तीसरी बार शादी करने जा रहे हैं, यह बात अब किसी से छिपी नहीं है। वह अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधेंगे। जैसे ही आमिर ने अपनी शादी की खबर कन्फर्म की, फैंस के मन में यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई कि आखिर गौरी कौन हैं और उनकी लव स्टोरी कैसे शुरू हुई।

कौन हैं गौरी स्प्रैट

गौरी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी मां तमिलियन हैं और पिता आयरिश हैं। उनके दादा एक स्वतंत्रता सेनानी थे। गौरी का प्रोफेशनल बैकग्राउंड हेयरड्रेसिंग में है और उन्होंने लंदन के यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स से फैशन, स्टाइलिंग और फोटोग्राफी में एफडीए किया है। गौरी एक 6 साल के बेटे की मां भी हैं। उनके पहले पति के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल वह आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस 'आमिर खान फिल्म्स' में काम कर रही हैं।

कैसे शुरू हुई आमिर और गौरी की लव-स्टोरी

आमिर खान ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी को सभी से मिलवाया था। उस समय मुंबई में मीडिया के साथ एक प्राइवेट गेट-टुगेदर में उन्होंने अपने रिश्ते को कन्फर्म किया था। आमिर ने बताया था कि दोनों एक-दूसरे को 25 साल से जानते हैं और करीब डेढ़ साल पहले फिर से कनेक्ट हुए। उन्होंने कहा था, 'हम अचानक मिले, फिर संपर्क में रहे और सब कुछ अपने आप आगे बढ़ता गया।' आमिर ने यह भी बताया कि गौरी ने उनकी बहुत कम फिल्में देखी हैं, जिनमें 'लगान' और 'दंगल' शामिल हैं। आमिर ने कहा, 'वह अभी भी बॉलीवुड की इस दुनिया को समझने की कोशिश कर रही हैं।'

इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग हुई पूरी

विशेष फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की है। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' का सीक्वल है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जबकि इसका निर्माण विशेष भट्ट ने किया है। फिल्म की शूटिंग राजस्थान और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न स्थानों पर की गई है। मेकर्स के अनुसार...'यह फिल्म 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम के किरदार में नजर आएंगे। उन्होंने यह भूमिका पहली बार लगभग दो दशक पहले 'आवारापन' में निभाई थी।
वहीं, दिशा पाटनी पहली बार विशेष फिल्म्स के साथ काम कर रही हैं और इस फिल्म का हिस्सा बनी हैं।' फिल्म की स्क्रिप्ट बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है। निर्माण की जिम्मेदारी विशेष फिल्म्स के बैनर तले विशेष भट्ट ने संभाली है। बता दें कि 'आवारापन' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। पहली फिल्म में इमरान के साथ श्रिया सरन, मृणालिनी शर्मा, आशुतोष राणा, आशीष विद्यार्थी, शाद रंधावा और पूरब कोहली जैसे कलाकार नजर आए थे।

मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी

अभिनेत्री सेलिना जेटली एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब उन्होंने अपने पति और ससुर की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की कानूनी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं। वह अपने बच्चों, अपने अधिकारों और न्याय के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगी। शुक्रवार को सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया। उन्होंने उन कानूनी नोटिसों का जवाब दिया, जो हाल ही में उनके पति पीटर हाग और उनके ससुर वोल्फगैंग हाग की ओर से भेजे गए हैं। नोटिस में अभिनेत्री पर मानहानि करने का आरोप लगाया गया है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, हालांकि सेलिना ने बताया कि उन्होंने अपने लीगल रिप्रजेंटेटिव के जरिए इन नोटिसों का जवाब दे दिया है। अभिनेत्री ने कहा, ''कई साल तक हमारे परिवार से जुड़ी पब्लिसिटी को बढ़ावा दिया जाता रहा, जिसमें मैगजीन कवर, इंटरव्यू और परिवार से जुड़े कई आर्टिकल्स में शामिल होते रहे हैं, लेकिन अब जब मैंने अपनी निजी परेशानियों, कानूनी संघर्ष और एक मां के रूप में अपनी चिंताओं के बारे में बात करनी शुरू की, तो मुझे जवाब देने के बजाय कानूनी नोटिस भेजे गए। ये बच्चे मेरे भी हैं, मैं उनकी मां हूं और मैं उनके लिए यह लड़ाई जारी रखूंगी।'' सेलिना जेटली ने आगे कहा, ''मैं हमेशा से ज्वाइंट कस्टडी और आपसी सहमति से तलाक के पक्ष में रही हूं। मैंने कई बार शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश की, लेकिन कोर्ट के ऑर्डर होने के बावजूद मैं अपने बच्चों से बात नहीं कर पा रही हूं। लगातार मुझे अपने बच्चों से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' अपने बयान में सेलिना ने बच्चों को लेकर अपनी चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे डर है कि बच्चों को उनकी जानकारी और सहमति के बिना ऑस्ट्रिया और भारत की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है। एक मां होने के नाते यह मेरा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है कि मैं ऐसी चिंताओं को पब्लिकली उठाऊं और अपने बच्चों के हितों की रक्षा करूं।'' इससे पहले पीटर हेग और उनके पिता की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों में कहा गया था कि इस मामले में सार्वजनिक रूप पर लगाए गए आरोप उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका असर बच्चों पर पड़ सकता है। हालांकि सेलिना जेटली का कहना है कि ऐसा करके उन्हें बदनाम करने, डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

ट्रोल्स और आलोचनाओं को हैंडल करना सीख गई हूं

एक्ट्रेस रकुल प्रीत के पति जैकी भगनानी तब हाल ही सोशल मीडिया पर निशाने पर आ गए जब उन्होंने मजाक में पनी और रकुल की शादी को सिचुएशनशिप का नाम दे दिया। रकुल ने कहा- वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए और वो भी आधार से लिंक, ताकि सोशल मीडिया पर कोई भी मनमानी न कर सके। बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और उनके मेकर-एक्टर पति हाल ही में उस वक्त ट्रोल्स के निशाने पर आ गए जब जैकी भगनानी ने अपने एक इंटरव्यू में मजाक-मजाक में अपनी और रकुल की शादी को सिचुएशनशिप का नाम दे दिया। उसके बाद तो लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट्स करने लगे। उसके कुछ समय बाद ही रकुल ने सोशल मीडिया पर मजाकिया लहजे में एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें वे हंसते हुए जैकी को डांटती दिख रही थीं और जैकी उनसे कान पकड़ कर माफी मांगते नजर आए। यह पहली बार नहीं था, जब रकुल ट्रोलिंग का शिकार हुईं। इससे पहले भी कई बार उन्हें इस तरह के हालात का सामना करना पड़ा है।

आप हर किसी को खुश नहीं कर सकते

अब इंडस्ट्री में 16-17 साल बिताने के बाद वे ट्रोल्स और आलोचनाओं को हैंडल करना सीख गई हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर रकुल कहती हैं, 'मेरा मानना है कि हम जैसा कोई आर्टिस्ट हो या फिर आम इंसान, आपको सोशल मीडिया के शोर से बचने का हुनर सीखना होता है। अगर आप वो नहीं करेंगे, तो अपना काम कभी भी सही तरीके से नहीं कर पाएंगे। देखिए, मुझे लगता है कि कलाकार को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए और ट्रोल्स को नजरंअदाज करना चाहिए। वरना आपकी मानसिक स्थिति पर फर्क पड़ सकता है। सोशल मीडिया का क्या है, न कि कभी किसी को आपकी शक्ल पसंद नहीं आएगी, तो कभी कोई आपके कपड़ों पर कॉमेंट कर देगा। हो सकता है कभी किसी को आपकी फिल्म न जंचे, तो आप सभी को खुश नहीं कर सकते।

डार्क किरदार पर बोलीं ईशा सिंह

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म 'ऑब्सेस' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया, 'एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।' आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। 'ऑब्सेस' के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।' अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, 'पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है।' अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं, तो कुछ अच्छे, लेकिन काम खत्म होते ही उस काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलना एक कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

एक मुंज्या के चलने, उसके 100 करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुले

हॉरर कॉमिडी फिल्म मुंज्या से लोगों के दिलों में बस चुकीं शर्वरी वाघ ने कहा- शुरुआती दौर में बॉक्स ऑफिस उतना मायने नहीं रखता, लेकिन एक बड़ी सफलता कई और दरवाजे जरूर खोल देती है। उन्होंने आलिया भट्ट को लेकर भी बातें कीं। हॉरर कॉमिडी फिल्म मुंज्या की अप्रत्याशित सफलता के बाद ऐक्ट्रेस शर्वरी वाघ के सितारे इन दिनों काफी बुलंद हैं। एक ओर वह अली अब्बास जफर की अहान पांडे स्टारर और आलिया भट्ट के साथ अल्फा जैसी बड़ी फिल्में कर रही हैं, वहीं जल्द ही इम्तियाज अली की पीरियड रोमांस फिल्म मैं वापस आऊंगा में भी मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि, इससे पहले शर्वरी ने अपनी बहुचर्चित डेब्यू फिल्म बंटी और बबली 2 की असफलता भी देखी। ऐसे में, सफलता और असफलता को लेकर शर्वरी का कहना है कि करियर के शुरुआती दौर में बॉक्स ऑफिस उतना मायने नहीं रखता, लेकिन एक बड़ी सफलता कई और दरवाजे जरूर खोल देती है।

फिल्म चलती है तो मौके बढ़ते हैं

बकौल शर्वरी, 'हमारा मकसद तो हर फिल्म को लेकर एक ही होता है। हम हर फिल्म उतने ही दिल से, उसी जुनून से करते हैं। मेरी कोशिश हर फिल्म में यही होती है कि हर किरदार को पूरी ईमानदारी से कर पाऊं। मेरा मानना है कि बॉक्स ऑफिस इतने शुरुआत में इतना मायने नहीं रखता है, लेकिन यह जरूर होता है कि एक मुंज्या के चलने, उसके सौ करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुल जाते हैं। वह जरूर होता है और आप उस मौके को जितनी जल्दी पकड़ सकें, अपनी कड़ी मेहनत से उसका लाभ उठा सकें और बेहतर काम कर सकें तो अच्छा है और यही मैंने किया।'

शिद्दत वाले प्यार का अहसास नहीं बदलता

शर्वरी की नई फिल्म 1947 के बंटवारे के पहले की लव स्टोरी सुनाती है। ऐसे में, तब और अब के प्यार में आए बदलावों पर शर्वरी का कहना है, 'प्यार तो प्यार ही होता है, चाहे वो उस जमाने का हो, आज का हो, या फिर आने वाले कल का है। दो लोगों के बीच जो प्यार होता है वो बहुत ही अनमोल होता है। हां, आज शायद प्यार की भाषा थोड़ी अलग है, मगर जब दो दिल मिलते हैं तो फीलिंग एक सी ही होती है, क्योंकि प्यार तो यूनिवर्सल होता है। हालांकि, मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।'
मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।

सौ साल पुराने घर में मिलता है सुकून

वहीं, वह जगह जहां शर्वरी को बार-बार लौटने का मन करता है, यह पूछने पर उन्होंने बताया, 'मेरे लिए वह जगह मेरा पैतृक घर है। हमारे गांव मोरगांव में हमारा एक घर है। वह घर 100 साल पुराना है। हम मराठी में उसे वाड़ा कहते हैं। हम अब भी हर साल गणपति में वहां जाते ही हैं। वो मेरी सबसे पसंदीदा जगह है। वहां जाकर मुझे अलग ही सुकून मिलता है। वहां मेरे दादा-परदादा सबकी फोटो लगी हैं, उनके कॉलेज की डिग्री लगी है। कई बार मेरा मन करता है कि अगर मैं पुराने वक्त में जा पाऊं तो मैं देखना चाहूंगी कि पहले वो घर कैसा था? उसे कैसे सजाते थे? क्योंकि वहां पर ऐसी कई चीजें हैं, जहां शायद झूला लग सकता था या बेड भी लग सकता था तो मेरा मन करता है कि काश मैं वो सब देख पाती।'

खुद की नहीं, फिल्म की सोचती हैं आलिया

शर्वरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ वाली ऐक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में हैं। आलिया के साथ काम करने अनुभव पर शर्वरी ने कहा, 'आलिया फिल्म की एक सहयोगी, एक दोस्त की तरह काम करती हैं। यह उनकी सबसे बेहतरीन क्वॉलिटी है कि वह सबको साथ लेकर चलती हैं। वह फिल्म की बेहतरी के लिए काम करती है, न कि अपनी बेहतरी के लिए, यह उनकी सबसे बड़ी खासियत है।'